वर्षः 7- अंकः 202, मुंबई, सोमवार, 9 अक्टूबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

टेंशन में मोदी!

भागवत से डरे मोदी ने किये जीएसटी में बदलाव

नई दिल्ली। गुजरात में 19 सालों से सत्ता पर काबिज भाजपा को अब सियासी मुश्किलें नजर आ रही हैं। नरेंद्र मोदी के सीएम की कुर्सी छोड़ने के बाद भाजपा के लिए पहली दफा ऐसे राजनीतिक हालात बने हैं, जिनके जरिए कांग्रेस को अपनी वापसी की उम्मीद दिख रही है। इसी वजह से पार्टी ने अपने ब्रह्मास्त्र (पीएम मोदी) को ही मैदान में उतार दिया। ऐसे में साल 2014 में केंद्र की सत्ता संभालने के बाद से अबतक खुद पीएम मोदी 17वीं बार गुजरात पहुंचे और तो और महीनेभर के अंदर उन्होंने तीसरा दौरा किया। हर बार नई योजाओं और नए शिलान्यास। बावजूद इसके समीकरण मोदी और उनकी भाजपा के पक्ष में जाते दिखाई नहीं दे रहे हैं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

भाजपा सांसद सुब्रह्मण्यम स्वामी ने 22 सितम्बर को जीएसटी को लागू करने और अन्य मामलों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाई थी। इससे बहुत से लोगों को हैरानगी हुई क्योंकि वह राज्यसभा में भाजपा के सांसद हैं और आरएसएस की शह पर प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत किए गए थे। इसके बाद आरएसएस के विचारक और स्तम्भकार एस। गुरुमूर्ति ने 25 सितम्बर को जीएसटी को लागू करने पर सरकार की नीतियों और संबंध मामलों को लेकर तीखा प्रहार किया। गुरुमूर्ति ने चेन्नई में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निम्न स्तर पर पहुंच गई है और यह स्थिति किसी भी हालत में जारी नहीं रह सकती। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

जब मोदी से नाराज भागवत भोजन छोड़कर उठ गए

देश के मिजाज में हिंदुत्व के प्रस्फुटन और इसकी तासीर में केसरिया ताने-बाने के आगाज के बावजूद ऐसा क्या है, जो सत्ता के हिंडोलों पर सवार भाजपा और सातवें आसमान की सवारी गांठते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

गोधरा कांड

रहेगी या टलेगी फांसी की सजा

फैसला आज

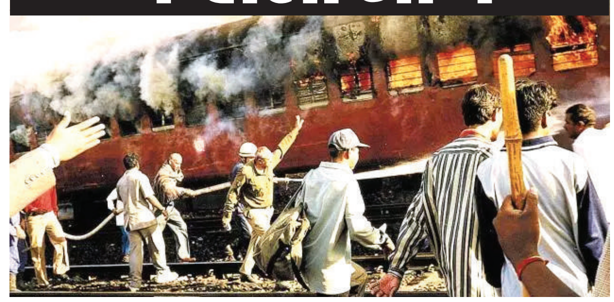

गांधीनगर। गुजरात के गोधरा कांड के 11 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रहेगी या नहीं। गुजरात हाईकोर्ट इसका फैसला सोमवार को करेगा। बता दें, 27 फरवरी 2002 को साबरमती ट्रेन की एस-6 बोगी को जलाने के मामले में ट्रायल कोर्ट ने 11 दोषियों को फांसी और 20 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

जीएसटी पर फैसले को लेकर उद्धव ने की सरकार की तारीफ

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

कांग्रेस की अमेठी पर बीजेपी टेढ़ी नजर

राहुल के दौरे के बाद अब अमेठी में होंगे मोदी के 3 रत्न!

नई दिल्ली। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के दौरे के तीन दिन बाद अब बीजेपी के दिग्गज नेता कांग्रेस का गढ़ समझे जाने वाले अमेठी पहुंचेंगे। केन्द्रीय वस्त्र और सूचना प्रसारण मंत्री स्मृति ईरानी दो दिवसीय दौरे पर आज यहां पहुंच रही हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के 10 अक्तूबर को यहां आने की उम्मीद है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

राहुल के अमेठी दौरे पर पीएम थे निशाने पर

राहुल ने अमेठी के 3 दिवसीय दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने मोदी से कहा कि वह बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों का समाधान करें। राहुल ने दावा किया कि कांग्रेस 6 महीने में इन मुद्दों का हल कर सकती है। कांग्रेस उपाध्यक्ष ने कहा था कि मोदी देश का समय बर्बाद करना बंद करें और वायदे के अनुरूप युवाओं को रोजगार मुहैया कराना शुरू करें।

बावनकुले ने बिजली संकट में जनता से मांगा सहयोग

मुंबई। बिजली संकट के दौर से गुजर रहे महाराष्ट्र को उबारने की अपील ऊर्जा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने आम जनता से की है। बावनकुले ने दिन में कम से कम 2 घंटे बिजली का उपयोग नहीं करने की गुजारिश की है। पंखे, एसी, ट्यूबलाइट, टीवी व अन्य बिजली से चलने वाले उपकरण का उपयोग कम से कम करने की विनती की है, ताकि विपदा की इस घड़ी में आसानी से बाहर निकला जा सके। कांग्रेस-एनसीपी आघाडी शासन काल में लोड शेडिंग के लिए यही बीजेपी भ्रष्टाचार और घोटाले का नाम देती थी। वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विपक्ष में रहते हुए आरोप लगाते थे कि आघाडी सरकार जानबूझकर बिजली की कम उत्पादन कर रही है, ताकि निजी बिजली कंपनियों से महंगे दर पर बिजली खरीदकर अपना जेब भर सके। आरोप लगाने वाले वही फडणवीस आज राज्य के मुख्यमंत्री है। उनकी सरकार के शासनकाल में लोड शेडिंग हो रहा है, जिसकी चौरतफा आलोचना हो रही है। फडणवीस के पुराने विडियो क्लिप सोशल मीडियों पर खूब चल रहे हैं। सरकार पर बिजली खरीद में घोटाले का आरोप लगाने वाले बीजेपी के नेता आज जनता से गुहार लगा रहे हैं कि वे घर में एलईडी बल्ब का उपयोग करें। जरूरत नहीं होने पर पंखे बंद रखे। एयर कंडीशन

का कम से कम उपयोग करें। टेलिविजन को लगातार चालू न रखें। जिन इलाकों में लोडशेडिंग नहीं है, वहां के नागरिकों को बिजली चालू होने पर कम से कम दो घंटे तक स्वतः ही बिजली का उपयोग बंद करने की अपील ऊर्जा मंत्री बावनकुले कर रहे हैं।

ऊर्जा मंत्री ने महानगर परिषद, नगरपरिषद, ग्राम पंचायत को आदेश दिया है वे स्ट्रीट लाइट एक घंटे देर से शुरु करें और सुबह पांच बजे बंद कर दें। दिन में स्ट्रीट लाइट चालू नहीं रखे। सरकारी और निजी कार्यालयों में दिन के वक्त बिजली का उपयोग नहीं किया जाए। बेहद जरूरी होने पर बिजली का उपयोग करें।

2000 मेगावॉट कम उत्पादन

महाराष्ट्र की बिजली कंपनियां करीब 7000 मेगावॉट बिजली का उत्पादन करती थी, लेकिन कोयले की कमी के कारण आज ये सरकारी कंपनियां 4600 मेगावॉट ही बिजली का उत्पादन कर पा रही है। वैसे महाराष्ट्र को प्रतिदिन 17,900 मेगावाट बिजली की जरूरत है जबकि 15,700 मेगावाट बिजली ही मिल पा रही है। यानी करीब 2000 मेगावॉट कम बिजली की आपूर्ति हो रही है। बिजली की मांग और आपूर्ति में अंतर के कारण राज्य का बिजली विभाग लोडशेडिंग कर रहा है। लोडशेडिंग की घोषणा के बाद सरकार की खूब किरकिरी हुई जिसके बाद ऊर्जा मंत्री बावनकुले ने शहरी इलाकों को लोड शेडिंग से राहत दी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में लोडशेडिंग जारी है।

ठाणे से रवि पुजारी गैंग के दो शूटर गिरफ्तार

मुंबई। (खलील अहमद) पुलिस को मुंबई से सटे ठाणे से गैंगस्टर रवि पुजारी गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। पुलिस की एंटी एक्सटार्शन सेल (एईसी) ने शनिवार को बताया कि नितिन गोपाल राय (42), दिनेश नारायण राय (51) को शुक्रवार शाम पाटलिपाडा में गोधबुंधर रोड से गिरफ्तार किया गया है। दोनों 10 करोड़ की फिरौती के लिए एक रीयल एस्टेट डेवलपर को धमकाने उसके कार्यालय गए थे। उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। दिनेश नारायण राय पूर्व में फजलुर रहमान गैंग का सदस्य था। फिरौती के ही एक मामले में सूरत पुलिस 2004 में उसे गिरफ्तार कर चुकी है। एईसी अधिकारियों ने बताया, 'हमें सूचना मिली थी कि शूटर बिल्डर के कार्यालय आएंगे। इसके बाद हमने निगरानी कड़ी कर दी। शाम करीब छह बजे के आसपास दोनों शूटर बिल्डर के कार्यालय के निकट संदिग्ध तरीके से घूम रहे थे। संदेह होने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। दोनों शूटरों के पास से दो पिस्टल, चार जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं।' अधिकारियों ने बताया कि कार्यालय के बाहर गोलीबारी कर बिल्डर को धमकाने के लिए रवि पुजारी ने ही शूटरों को आदेश दिया था।

गैंगस्टर रवि पुजारी पिछले कुछ दिनों से बिल्डर से फिरौती के रूप में दस करोड़ रुपये देने की मांग कर रहा था। इस संबंध में बिल्डर ने कसार वडावली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद पुजारी और उसके गुर्गो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी की यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त परमवीर सिंह, पुलिस सह आयुक्त मधुकर पांडे, अपर पुलिस आयुक्त मकरंद रानडे, पुलिस उपआयुक्त (अपराध) अभिषेक त्रिमुखे, सहायक पुलिस आयुक्त शोध-2 (अपराध) एन.टी.कदम के मार्गदर्शन में हफ्ता वसूली प्रकोष्ठ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रदिम आर. शर्मा ने अपनी टीम के साथ मिलकर अंजाम दिया।

मुंबई में चूहे चट कर गए 34 किलोग्राम नशीली दवा

मुंबई। आप मानें या न मानें मुंबई पुलिस मानती है कि 34 किलो पार्टी ड्रग केटामाइन चूहे चट कर गए। इसी बात पर विश्वास करते हुए मुंबई पुलिस ने करीब 3.4 करोड़ रुपये के 34 किलो केटामाइन की चोरी के मामले की जांच बंद कर दी है। सेवरी में कस्टम गोदाम से 2014 में यह पार्टी ड्रग चोरी चला गया था।

जून 2014 में वरिष्ठ कस्टम अधिकारी पुरुषोत्तम निमजे ने एफआइआर दर्ज कराई थी। उन्होंने दावा किया था कि डीआरआइ ने जब्त किए गए केटामाइन के 20 सील बंद पैकेट गोदाम में रखे थे। इनमें से सात पैकेट अज्ञात आदमी

ने खोल दिए और करीब 34.1 किलो चुरा लिए। यह गोदाम सेवरी थाने के सामने स्थित है। सेवरी पुलिस ने इस मामले में समरी दर्ज कर दी है।

चोरी गया ड्रग डीआरआइ द्वारा कोंदुस्कर मामले 2011 में अंधेरी से जब्त किए गए करीब 200 किलो केटामाइन का हिस्सा था। इस मामले में कोंदुस्कर ट्रैवल के अभिजीत कोंदुस्कर एवं अन्य को गिरफ्तार किया गया था। मुंबई और सांगली से कुल 1000 किलो पार्टी ड्रग केटामाइन जब्त किया गया था। मुंबई में जब्त किए गए इस प्रतिबंधित नशीले पदार्थ को नानावती गोदाम में रखा गया था। इसी गोदाम में केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियां जब्त किया गया सामान रखती हैं। 17 जून को डीआरआइ और एक अतिरिक्त दंडाधिकारी ने गोदाम का दौरा किया था। उन लोगों ने 13 पैकेट सही सलामत पाए जबकि अन्य सात पैकेट फटे पाए गए थे।

ग्राम पंचायत चुनाव का पहला चरण शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

मुंबई। महाराष्ट्र में ग्राम पंचायत चुनाव का पहला चरण शनिवार को पूरा हो गया। मतदान शांतिपूर्ण हुआ। करीब 79 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य चुनाव आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहले चरण में 16 जिलों की 3,131 ग्राम पंचायतों में मतदान हुआ। पहली बार सरपंच पद के सीधे मतदान हुआ। पहले चरण में नाशिक, धुले, जलगांव, नंदुरबार, अहमदनगर, औरंगाबाद, बीड, नांदेड, परभणी, जालना, लातूर, हिंगोली, अकोला, यवतमाल, वाशीम और बुलडाणा जिले की ग्राम पंचायतों में मतदान हुआ।

मतदान सुबह 7:30 बजे शुरु हुआ और शाम 5:30 बजे खत्म हो

गया। मतगणना 9 अक्टूबर को होगी। दूसरे चरण में 16 अक्टूबर को ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सोलापुर, सातारा, सांगली, कोल्हापुर, नागपुर, वर्धा, चंद्रपुर, भंडारा, गोंदिया और गढ़चिरौली जिले की 4,119 ग्राम पंचायतों में चुनाव होंगे। यहां मतों की गणना 17 अक्टूबर को होगी।

पत्नी की जिद के बाद असल जिंदगी में 'अक्षय कुमार' बन गया यह ऑटो ड्राइवर

मुंबई। हाल ही में में टॉयलेट एक प्रेम कथा नाम की एक फिल्म आई थी, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। इस फिल्म में दिखाया गया था कि घर में शौचालय ना होने की वजह से गांव की एक बहू ससुराल छोड़कर अपने मायके चली जाती है और तब तक नहीं आती, जब तक उसके घर में शौचालय नहीं बन जाता। ऐसी ही एक खबर मुंबई से आई है, जहां एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर की पत्नी और बेटी उसका साथ छोड़कर इसलिए मायके चली गई हैं, क्योंकि गांव में शौचालय की सुविधा नहीं है। पत्नी और बेटी के इस कदम के बाद ऑटो ड्राइवर ने यह फैसला किया है कि वह गांव में शौचालय का निर्माण करके रहेगा, चाहे इसके लिए उसे बैंक से लोन ही क्यों न लेना पड़े।

इस बारे में ऑटो रिक्शा ड्राइवर ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे

नाम के फेसबुक पेज पर कहा, मुझे पता है कि यह एक छोटा सा सपना है, लेकिन यह अब मेरे लिए सब कुछ है। इस ऑटो ड्राइवर के ऐसे विचार वाकई में प्रेरणादायक है। ऑटो ड्राइवर ने जिस तरह से अपने ड्रीम के बारे में बताया उससे निश्चित तौर पर किसी का भी दिल पिघल जाएगा। उन्होंने कहा कि वो मुंबई के रहने वाले है, लेकिन उन्होंने अपना नाम नहीं बताया। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी और बेटी गांव में बुनियादी सुविधाएं और शौचालय ना होने की वजह से उन्हें छोड़कर चली गई है।

ऑटो ड्राइवर ने कहा, जब मुझे पता चला कि उनकी पत्नी और बेटी रात में ही शौच जा पाती है, क्योंकि उस समय किसी की नजर उन पर नहीं पड़ती। यह सोचकर मैं काफी ज्यादा परेशान हो गया। इस समस्या से निपटने के लिए उन्होंने अपने गांव में शौचालय बनाने के लिए बैंक ऋण के लिए आवेदन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अपनी पत्नी और बेटियों के लिए स्वच्छ शौचालय उपलब्ध कराना उनका लक्ष्य है। पेसबुक पर यह पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गया। इस पोस्ट को अब तक 150 से अधिक बार शेयर किया जा चुका है और 5,400 से ज्यादा कमेंट आ चुके हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

नामित होने के बावजूद नहीं मिली नौकरी

हाईकोर्ट ने पहली पत्नी के दावे को माना सही

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) में कार्यरत एक कर्मचारी की दूसरी पत्नी का नौकरी पर दावा मानने से इनकार कर दिया है। कर्मचारी शिवराम मकवाना की मौत के बाद उसकी दूसरी पत्नी कमला ने मृतक आश्रित के तौर पर रिजर्व बैंक से नौकरी की मांग की थी। आरबीआई ने मकवाना का सर्विस रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि पहले से उसकी एक पत्नी है। हालांकि मकवाना ने नौकरी के दौरान आरबीआई में एक आवेदन दायर कर उसके न रहने पर उसके सेवा से जुड़े लाभ पाने के लिए दूसरी पत्नी कमला को नामित किया था। जबकि नौकरी में नियुक्ति के दौरान मकवाना ने अपने आवेदन में अपनी पहली पत्नी दिवाली के नाम का उल्लेख किया था। लिहाजा आरबीआई ने कमला को कहा कि वह अदालत का आदेश दिखाए जिससे यह साफ हो सके कि मकवाना ने अपनी पहली पत्नी से तलाक ले लिया था। कमला ऐसा करने में विफल रही। वहीं दिवाली ने भी आरबीआई में नौकरी के लिए आवेदन किया। उसने आरबीआई की ओर से मांगे गए सारे दस्तावेज दिखाए। इसके साथ ही साबित किया कि वह मकवान की पहली वैध ब्याहता पत्नी है। लिहाजा

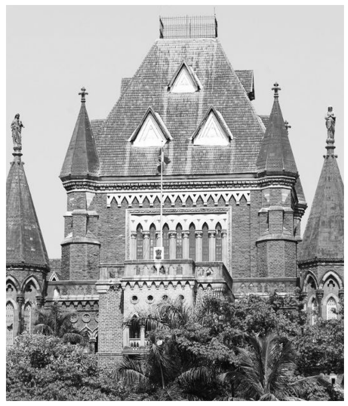

आरबीआई ने दिवाली को नौकरी दे दी। आरबीआई के निर्णय के खिलाफ कमला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। न्यायमूर्ति एससी धर्माधिकारी व न्यायमूर्ति भारती डांगरे की खंडपीठ के सामने सुनवाई हुई। इस दौरान आरबीआई की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता सुरेश कुमार ने कहा कि कमला ने सहानूभूति के आधार पर नौकरी के लिए आवेदन किया था। हमने उससे कहा कि वह कोर्ट का वह आदेश लाए जो यह दर्शाए कि उसके पति ने अपनी पहली पत्नी से तलाक ले लिया था। लेकिन वह कोर्ट का यह आदेश नहीं पेश कर पायी। नौकरी के समय कर्मचारी ने जो आवेदन किया था उसमें पहली पत्नी के रूप में दिवाली का उल्लेख है। दिवाली ने मकवाना की वैध पत्नी होने को लेकर सबूत दिए हैं। उसने आरबीआई को वे सारे दस्तावेज दिए जो नौकरी के लिए जरूरी थे। मामले से जुड़े तथ्यों को देखने के बाद खंडपीठ ने कमला को राहत देने से इनकार कर दिया। इसे देखते हुए कमला ने अपनी याचिका को वापस ले लिया। जिसके बाद खंडपीठ ने याचिका को समाप्त कर दिया। खंडपीठ ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता चाहे तो वह राहत के लिए दूसरी कानूनी विकल्पों का सहारा ले सकती है।

राणे की महाराष्ट्र स्वाभिमान पार्टी एनडीए में शामिल होगी, अभी रजिस्ट्रेशन भी नहीं हुआ

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे की नवगठित महाराष्ट्र स्वाभिमान पार्टी एनडीए में शामिल होगी। शुक्रवार को खुद राणे ने सिंधुदुर्ग जिले में इसकी औपचारिक घोषणा की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को उन्हें एनडीए में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। राणे कहा कि राज्य व कोंकण की समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने एनडीए में शामिल होने का निर्णय लिया है। उनके बेटे नितेश भी जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल होंगे। मंत्रिमंडल में शामिल होने पर फडणवीस और भाजपा अंतिम निर्णय लेगी। राणे की पार्टी के नाम का न तो अभी तक रजिस्ट्रेशन हुआ है और न ही औपचारिक रूप से सदस्यता ही हुई है। इसके बावजूद भाजपा ने जिस तेजी से राणे को एनडीए में शामिल होने का न्योता दिया, वह शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को रास नहीं आ रहा है।

अंबरनाथ में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

अंबरनाथ। अंबरनाथ (पश्चिम) स्थित जावसाई महेंद्र नगर में पिछले कुछ दिनों से आदिवासी एवं वन विभाग की जमीनों पर भू-माफिया बिल्डर द्वारा कब्जा जमाकर वहां अवैध रूप से रूम बनाकर जरूरत मंद लोगों के हाथों भारी कीमत लेकर उसे बेचने का धंधा कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार उक्त क्षेत्र में सरकारी जमीन के घोटाले का सरगना इकबाल शेख उर्फ मुन्ना है। जिसके पास किसी प्रकार का कोई लाइसेंस और परमीशन नही है। वह स्थानीय पुलिस और मनपा के

भू-माफिया इकबाल शेख उर्फ मुन्ना के अवैध कारनामों की जानकारी लगातार पढ़िए चित्र के साथ कल से

भ्रष्ट अधिकारियों से मिलकर खाली पड़ी सरकारी एवं आदिवासी की जमीन पर कब्जा जमाता जा रहा है।

जीएसटी पर फैसले को लेकर उद्धव ने की सरकार की तारीफ

मुंबई। केंद्र सरकार द्वारा शुक्रवार को जीएसटी की दरों में किए गए बदलाव का शिवसेना ने स्वागत किया है। लेकिन इसके साथ ही उसने केंद्र सरकार पर अपने तीखे हमले भी जारी रखे हैं। शनिवार को मीडिया को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं कोई अर्थशास्त्री नहीं हूं जो कल की घोषणा पर टिप्पणी करूं लेकिन मैं अपनी राय दे रहा हूं कि पिछली सरकार अपने फैसलों पर कायम रहती थी। उन्होंने कहा कि मैं सरकार को फैसले के लिए धन्यवाद देता हूं लेकिन क्या सरकार उन लोगों को पैसा लौटाएगी जो पहले टैक्स भर चुके हैं। लोग अब भी खुश नहीं हैं क्योंकि पेट्रोल की कीमतें ज्यादा हैं और महंगाई भी बढ़ी है। उद्धव ने कहा कि विपक्ष और लोगों की असंतुष्टि को देखते हुए अब फैसले बदले जाने लगे हैं। जीएसटी में जो बदलाव किए गए हैं वो दिवाली गिफ्ट नहीं है और इसमें और भी बदलावों की जरूरत है। जो घोषणाएं हुई हैं वो गुजरात चुनाव को देखते हुए हुई हैं। उद्धव ने कहा कि अब अंतिम फैसले का वक्त आ गया है, हम यहां लोगों की सेवा के लिए हैं और वो करते रहेंगे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

नई हज पॉलिसी में सब्सिडी खत्म करने का प्रस्ताव

मुंबई। केंद्र सरकार द्वारा गठित हज समिति ने शनिवार को हज हाउस में केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री मुख्तार नकवी को नई हज नीति को सौंप दिया। इसमें सब्सिडी खत्म करने, बिना मेहरम के 45 साल से अधिक उम्र के महिलाओं को बिना मेहरम के हज पर जाने की अनुमति जैसे कई प्रस्ताव है। केंद्रीय मंत्री नकवी ने कहा कि अल्पसंख्यक विभाग के अधिकारी नई नीति में दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार करेंगे। इसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। अगले साल नई नीति के तहत ही हज यात्रा होगी। हज हाउस में आयोजित कार्यक्रम में समिति ने केंद्रीय मंत्री को 'हज नीति 2018-22' सौपा। इस समिति में अफजल अमानुल्लाह, पूर्व न्यायाधीश एस.एस. पारकर, कैसर शमीम, कमाल फारुकी, संयुक्त सचिव जे.आलम सदस्य हैं। समिति के संयोजक अफजल अमानुल्लाह ने नई हज नीति की मुख्य बिंदुओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नई हज नीति को उच्चतम न्यायालय के निर्देशों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसमें कम खर्चे में हज यात्रा, यात्रियों की सुरक्षा, सभी राज्यों के मुसलमानों को हज यात्रा का लाभ मिले, इसका विशेष ध्यान रखा गया है। जनसंख्या के मुताबिक भारत के कोटे से 1 लाख 70 हजार लोग यात्रा कर सकते हैं। प्रस्तावित नई नीति के मुताबिक हज समिति और निजी टूर आपरेटर बीच अगले पांच साल के लिए 70 :30 के अनुपात में कोटा का वितरण होगा।

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

हराम है हलाल

भारतीय फिल्मों के लिए भेड़ चाल कोई नई बात नही है। ऐसे में अगर देश में घटी किसी हालिया मुद्दे पर फिल्म बननी शुरू हो जाए तो इसमें कोई हैरत की बात नहीं। कुछ ऐसा ही एक मामला पिछले दिनों काफी सुर्खियों में रहा, वह था मुस्लिम संप्रदाय के तीन तलाक का मामला। जिसमें भारत की शीर्ष अदालत ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताते हुए उन पीड़ित मुस्लिम महिलाओं के पक्ष में फैसला सुनाया, जो इसके खिलाफ पिछले कई वर्षो से अदालत की शरण में थी। अदालत में दोनों पक्षों की दलीले सुनने के बाद माननीय जजों की बेंच ने तीन तलाक को असंवैधानिक बताते हुए इसे धर्म और संप्रदाय के खिलाफ बताया। अदालत के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए तीन तलाक के खिलाफ एकजुट महिलाओं ने इसे अपनी जीत बताया और देश में एक परंपरा का सूत्रपात हुआ। बस फिर क्या था। इस गंभीर मुद्दे को भुनाने क लिए भारतीय फिल्म उद्योग में होड़ मच गई और कई ऐसे फिल्म निर्माता इसे भुनाने के लिए फिल्मों की घोषणा कर डाली। इसमें बाजी मारी मराठी भाषा में बनी **हलाल** नामक फिल्म ने, जिसमें नायक द्वारा तीन तलाक को बड़े ही सस्तेपन की चाशनी में लपेटा गया और मात्र तीन बार तलाक, तलाक, तलाक कहकर पत्नी को डायवोर्स देकर उससे संबंध विच्छेद कर लिया गया। फिल्म के निर्माता को न तो तीन तलाक के बारे में अदालती फरमान का ज्ञान है और न ही तीन तलाक के नियम कानून की ही थोड़ी भी समझ है। ऐसी बात नही है कि तीन तलाक के मुद्दे पर यह पहली फिल्म बनी है। पहले भी कई ऐसी फिल्में बन चुकी हैं, जिसमें तीन बार तलाक कहकर पत्नी को तलाक देने के दृश्य हैं। लेकिन तब की बात और थी और अभी के हालात और हैं। हम यह नही कहते कि इस मुद्दे पर फिल्में नही बनानी चाहिए, बल्कि हमारा यह मानना है कि तलाक मुद्दे पर फिल्में बने तो उसमें तीन तलाक की मर्यादा, उसके उद्देश्य, उसकी पवित्रता और इसके सामाजिक प्रभाव का भी सही और सटीक चित्रण हो, न कि सिर्फ इस मुद्दे को या किसी और मुद्दे को भुनाकर अपनी तिजोरी भरने, सामाजिक ताने बाने को बिगाड़ने और सबसे ऊपर इस्लाम की छवि को धूमिल करने का कोई प्रयास अथवा साजिश हो। बेशक इस संदर्भ में मराठी भाषा की हलाल तीन तलाक के लिए हराम तो है ही, इस्लाम के लिए तो कतई हलाल नही है।

-दिलशाद एस. खान

आर्थिक चुनौतियों का सामना

बागी तेवर दिखा रहे भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की अर्थव्यवस्था के हालात पर एक टिप्पणी के बाद से एक बहस छिड़ गई है। विपक्ष को यशवंत सिन्हा की टिप्पणी इसलिए रास आई, क्योंकि उसमें सरकार और विशेष रूप से वित्तमंत्री अरुण जेटली पर निशाना साधा गया था। इसी कारण आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला कायम हुआ। इस सिलसिले के बीच प्रधानमंत्री ने आर्थिक स्थिति को लेकर उठ रहे सवालों का आंकड़ों के आधार पर जवाब दिया। इसके जरिये उन्होंने एक बार फिर अपनी स्पष्ट सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया। इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटीज ऑफ इंडिया के स्वर्ण जयंती समारोह में लगभग एक घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री ने आर्थिक मंदी की आशंकाओं को खारिज करने के साथ एक स्टेट्समैन की तरह जनता के साथ कारोबारियों को भी आश्वस्त किया कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जो भी कदम जरूरी हैं वे उठाए जाएंगे। ऐसा हुआ भी। जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई ऐसे निर्णय लिए गए जिनसे छोटे और मझोले कारोबारियों को बड़ी राहत मिली। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर कारोबार संबंधी छोटी-मोटी कमियों को तुरंत दूर करने का निर्देश दिया। आने वाले समय में सरकार के स्तर पर अर्थव्यवस्था को बल देने वाले कुछ और फैसले लिए जा सकते हैं।

अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए प्रधानमंत्री की सक्रियता यह बताती है कि उन्हें जमीनी हकीकत का अहसास है। यह एक बड़ी बात है, क्योंकि आम तौर पर राजनीतिक नेतृत्व किसी क्षेत्र विशेष की छोटी-मोटी कमियों से अनभिज्ञ रहता है। इसके चलते कई बार समस्याएं गंभीर हो जाती हैं। चूंकि प्रधानमंत्री ने जीएसटी के रूप में ऐतिहासिक कर सुधार लागू होने के बाद कारोबारियों के समक्ष आ रही दिक्कतों को पहचाना और उन्हें दूर करने की पहल भी की इसलिए जनता के बीच भरोसे का एक सकारात्मक संदेश गया। प्रधानमंत्री की ओर से जीएसटी के कारण होने वाली परेशानी को स्वीकार करना उल्लेखनीय बात रही। यह भी असाधारण रहा कि उन्होंने 26 स्लाइड वाले पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिये तथ्यों के साथ विपक्ष को आईना दिखाते हुए बताया कि आर्थिक हालात को लेकर चिंतित होने की जरूरत नहीं और आने वाले दिनों में हालात बेहतर होगी। प्रधानमंत्री ने महज भाषण देने के बजाय तथ्यों के साथ अपनी बात इसलिए रखी, क्योंकि शायद उन्होंने महसूस किया कि विपक्ष ने नकारात्मक माहौल खड़ा करने की जो कोशिश की है उसकी काट करना आवश्यक है। उन्होंने महाभारत से एक उदाहरण लेते हुए कहा कि शल्य प्रवृत्ति के लोगों को पहचानने की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि पांडवों के मामा राजा शल्य महाभारत के युद्ध में कर्ण के सारथी थे, लेकिन युद्धकाल में वह कर्ण को ही हतोत्साहित करते थे। जो लोग एक तिमाही में विकास दर 5.7 प्रतिशत पर आ जाने को आर्थिक मंदी का प्रमाण बता रहे हैं उनसे प्रधानमंत्री ने यह सही सवाल किया कि क्या ऐसा पहली बार हुआ है? संप्रग सरकार में आठ बार ऐसे मौके आए जब विकास दर 5.7 प्रतिशत या उससे भी नीचे गई-यहां तक कि 0.2 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत भी। उन्होंने आलोचकों को यह भी याद दिलाया कि जब केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने विकास दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था तब उसे खारिज कर दिया

गया था, लेकिन जब उसने बीती तिमाही में 5.7 प्रतिशत विकास दर का आंकड़ा पेश किया तो विपक्ष ने उसे तुरंत लपक लिया। प्रधानमंत्री ने मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को यह खास तौर पर याद दिलाया कि उसके नेतृत्व वाले संप्रगशासन में भारत को उन पांच देशों की सूची में रखा गया था जिनकी आर्थिक स्थिति नाजुक थी।

अपने हाल के गुजरात दौरे की शुरूआत करते हुए भी प्रधानमंत्री ने नकारात्मकता के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत करने के साथ कारोबारियों की समस्याओं के समाधान का भरोसा फिर से दिलाया। उनके अनुसार अर्थव्यवस्था की हालत बेहतर करने के लिए जिस कड़वी गोली की आवश्यकता थी वह दी जा चुकी है। पहले नोटबंदी और जीएसटी कड़वी गोली ही है। ये दोनों फैसले दो नंबर की अर्थव्यवस्था के मकड़जाल को तोड़ने के लिए हैं। स्वाभाविक है कि इनसे सबसे ज्यादा तकलीफ उन्हें हुई जो अपना कारोबार दो नंबर में करते हैं। जिस तरह कारोबारियों के एक वर्ग ने जीएसटी और नोटबंदी के फैसलों का विरोध किया उससे यह स्पष्ट हो जाता है कि दो नंबर की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ने के लिए ये फैसले कितने आवश्यक थे। अभी भी तमाम कारोबारी खुद को जीएसटी के दायरे से बाहर रखना चाह रहे हैं। उनकी सोच सरकार को टैक्स न देने की है। जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद एक तरह से नब्बे फीसद कारोबारियों को मासिक रिटर्न दाखिल करने से जो छूट दी गई वह एक बड़ी राहत है। कंपोजीशन स्कीम की मौजूदा सीमा को सालाना 75 लाख से बढ़ाकर एक करोड़ करना और डेढ़ करोड़ रुपये तक टर्नओवर वाले कारोबारियों को हर माह रिटर्न फाइल करने से छूट देना भी ऐसे कदम हैं जिनके बाद कारोबारी यह शिकायत नहीं कर सकते कि सरकार उनके बारे में कुछ सोच नहीं रही। इसके साथ ही निर्यातकों को भी जीएसटी काउंसिल की ओर से बड़ी राहत दी गई। निर्यातक रिफंड की समस्या से जूझ रहे थे, लेकिन अब उन्हें मार्च 2018 तक पहले की तरह आइजीएसटी से छूट मिलेगी और उसके बाद उनके लिए ई-वॉलेट की व्यवस्था की जाएगी। स्पष्ट है कि जीएसटी काउंसिल ने यह समझा कि नई व्यवस्था के कुछ नियम निर्यातकों के समक्ष परेशानी खड़ी कर रहे थे और इसके चलते उनके लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का सामना करना मुश्किल हो रहा था। किसी भी नई व्यवस्था में कुछ दिक्कतें आती ही हैं। यह अच्छी बात है कि जीएसटी काउंसिल ने उन्हें पहचान कर दूर किया।

जीएसटी काउंसिल के फैसले के बाद देखना यह है कि कारोबारियों को जो रियायतें दी गई हैं उनसे वे संतुष्ट होते हैं या नहीं और वे सरकार द्वारा दी गई रियायत का लाभ उठाने के बावजूद पुराने रंग-ढंग यानी टैक्स देने से बचने की कोशिश में रहते हैं या फिर कानून सम्मत तरीके से अपना कारोबार करते हैं? रियायत और छूट के जीएसटी काउंसिल के फैसले के बाद कारोबारियों की समस्याएं अवश्य कम होंगी, लेकिन इसी के साथ उन कारोबारियों की संख्या 40 फीसद से भी ज्यादा बढ़ जाएगी जो जीएसटी देंगे ही नहीं। इससे एक असंतुलन भी कायम होगा और कुछ नई समस्याएं भी खड़ी होंगी। छूट-रियायत से उपजी समस्याएं धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती हैं और चूंकि कारोबारी नई व्यवस्था अपनाने से बचे रहने में ही अपनी भलाई समझते हैं इसलिए उनका समाधान और कठिन हो जाता है। ऐसी स्थिति न बने, यह सबको सुनिश्चित करना चाहिए। जब मोदी सरकार अर्थव्यवस्था के समक्ष उभरी कुछ चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है तब कारोबारियों को भी चाहिए कि वे आर्थिक माहौल को बेहतर बनाने को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझें और हर स्तर पर अपना कारोबार विधि सम्मत तरीके से करें।

परिवर्तन का चक्र

गुजरात दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कारोबार जगत को यह भरोसा दिलाया कि वह व्यापारियों को लालफीताशाही या फिर बाबूगीरी के फेर में नहीं फंसने देंगे। इसके पहले दिल्ली में भी कंपनी सचिवों के एक कार्यक्रम उन्होंने कारोबार जगत की कठिनाइयों को दूर करने का न केवल वादा किया, बल्कि उसके अनुरूप कदम भी उठाए। ये कदम जीएसटी काउंसिल के उन फैसलों के रूप में सामने आए जिनसे निर्यातकों के साथ उद्योगपतियों एवं व्यापारियों को बड़ी राहत मिली। उद्योग-व्यापार जगत इसके प्रति सुनिश्चित हो सकता है कि कारोबारी माहौल को सुगम बनाने के लिए मोदी सरकार आगे भी कई कदम उठाएगी, क्योंकि इसे लेकर वह अपनी वचनबद्धता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदर्शित करती रही है। इस वचनबद्धता के तहत सरकार ने जरूरी फैसले लेने के साथ तमाम पुराने कानून भी खत्म किए हैं। नोटबंदी के बाद जीएसटी को लागू किया जाना भी एक तरह से पुराने पड़ चुके नियम-कानूनों को तिलांजलि ही है। इन स्थितियों में कारोबार जगत के लिए भी यह आवश्यक हो जाता है कि वह बदलाव और सुधार की दिशा में सरकार के साथ कदमताल करता दिखे। निःसंदेह इस प्रक्रिया में कुछ कठिनाई आएगी-ठीक वैसे ही जैसे जीएसटी के अमल के बाद देखने को मिल रही है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उससे बचने के जतन किए जाएं। दुर्भाग्य से कारोबार जगत का एक हिस्सा कुछ ऐसा ही करता दिख रहा है। यह किसी से छिपा नहीं कि जीएसटी को सही तरह समझने की कोशिश किए बगैर उसे लेकर भ्रांतियां पैदा की गई हैं। नई व्यवस्था लागू होने के क्रम में सामने आने वाली समस्याओं की आड़ में पुरानी व्यवस्था की वकालत करना सही नहीं। इस सोच का परित्याग करने की जरूरत है। इसलिए और भी, क्योंकि किसी को भी इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि परिवर्तन का चक्र थमने वाला है और पुराने दिनों की वापसी होने वाली है। अब तो यह संभव ही नहीं, क्योंकि देश धीरे-धीरे ही सही उस रास्ते पर बढ़ चला है जहां से पीछे लौटने का कोई उपाय नहीं। यह जग जाहिर है कि बदलाव और सुधार की प्रक्रिया से सबसे ज्यादा परेशानी उद्योग-व्यापार जगत के उन लोगों को महसूस हो रही है जो एक ऐसे माहौल में काम करने के अभ्यस्त हो चुके हैं जहां पारदर्शिता के साथ-साथ जवाबदेही का भी अभाव था। यह वह माहौल था जिसमें शिथिल नियम-कानूनों की अनदेखी आसान थी और एक तरह से बिना लिखत-पढ़त वाले व्यावसायिक तौर-तरीकों को बोलबाला था। इस माहौल में टैक्स से बचे रहना भी आसान था। कम से कम अब तो टैक्स दे सकने में सक्षम लोगों को टैक्स से बचे रहने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि सरकार एक ओर जहां कारोबारी समस्याओं का समाधान करने को लेकर सक्रिय है वहीं दूसरी ओर हेर-फेर रोकने को लेकर प्रतिबद्ध है। ऐसे में किसी को भी एक सीमा से अधिक रियायत की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। कारोबार सुगम होने के साथ न्यायसंगत तरीकों से भी संचालित हो, इसकी जिम्मेदारी जितनी सरकार की है उतनी ही कारोबार जगत की भी।

अपनी मौत का लाइव टेलिकास्ट कर रहा था

अचानक पहुंच गई पुलिस

मुंबई। हमेशा वारदात के बाद मौके पर पहुंचने वाली पुलिस इस बार समय से पहले पहुंची और मुंबई के एक शख्स को सुसाइड करने से रोकने में कामयाब हुई। सुसाइड की कोशिश करने वाला अपनी मौत का लाइव स्टेटस अपने वॉट्सऐप पर लगातार अपडेट कर रहा था। जांच में सामने आया है कि घरेलू कलह से तंग आकर उसकी वाइफ घर छोड़कर चली गई थी। फिलहाल पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक, सचिन धवाड़े को उसके घर से पकड़ा गया है। सचिन एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर है। पत्नी के जाने के बाद सचिन मानसिक रूप से काफी परेशान चल रहा था। पुलिस को शुक्रवार शाम को यह जानकारी मिली कि साकीनाका के मोहाली पाइप लाइन के पास एक युवक अपने घर के अंदर पंखे से लटककर सुसाइड कर रहा है। पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा खुलवाया तो उन्हें घर पर बुजुर्ग माता-पिता मिले। वे अपने बेटे की इस हरकत से अंजान थे। पुलिस ने घर के फर्स्ट फ्लोर पर जाकर देखा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। कई बार आवाज देने पर भी जब कोई हरकत नहीं हुई तो पुलिस को लगा कि सचिन ने दम तोड़ दिया है। इसके बावजूद कन्फर्म करने के लिए एक सिपाही ने छत के सहारे एंट्री की कोशिश की, लेकिन वह कामयाब नहीं हुई। छत के झरोखे से उन्हें सचिन पंखे से लटका हुआ नजर आया और उसकी सांसे भी चल रही थी। इसके बाद पुलिस ने उसे समझाया और उसे सुसाइड करने से रोक लिया। जांच में सामने आया है कि सचिन अपनी मौत का लाइव स्टेटस अपने वॉट्सऐप पर लगातार अपडेट कर रहा था। उसने कई फोटोज वॉट्सऐप पर अपडेट की थीं। इन्हीं फोटोज को देख उनके एक पड़ोसी ने पुलिस को इसकी जानकारी दी थी। फिलहाल सचिन की हालत ठीक है और वह अपने किए पर पछतावा कर रहा है। घर से गई पत्नी को वापस लाने में नाकामयाब होने पर सचिन ने यह स्टेप उठाया है।

अमिताभ बच्चन ने कहा, इस बार ना जन्मदिन मनाऊंगा और ना दिवाली

मुंबई। महानायक अमिताभ बच्चन ने कहा है कि इस बार वह ना ही अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे और ना ही दिवाली के जश्न में शामिल होंगे। हालांकि इस फैसले की वजह उन्होंने नहीं बताई। 11 अक्टूबर को अमिताभ बच्चन 75 साल के हो जाएंगे। ऐसे में फैंस को उम्मीद थी कि इसे वह धूमधाम से मनाएंगे। मगर उन्होंने साफ कर दिया है कि वह ना तो अपना जन्मदिन मनाएंगे और ना ही दिवाली। इस साल मार्च में अमिताभ बच्चन की बहू ऐश्वर्या राय बच्चन के पिता

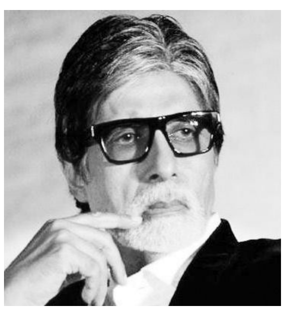

कृष्णराज राय का निधन हो गया था। हो सकता है कि इसकी वजह से उन्होंने किसी भी तरह का जश्न नहीं मनाने का फैसला किया हो। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने ब्लॉग पर भी इसका जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि कि वो इस दिन शहर में ही नहीं होंगे। अमिताभ बच्चन ने बिल्कुल स्पष्ट किया है कि वह अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। उन्होंने कहा कि वो नहीं जानते कि ये सब बताने वाले सोर्स यानी सूत्र कौन होते हैं। जो लोग विवादों में होते हैं वो अक्सर ये सोच कर चुप रहते हैं कि एक चुप सौ सुख, लेकिन वो ये खामोशी तोड़ने में यकीन रखते हैं।

महाराष्ट्र में बिजली गिरने से 25 मौतें, मानसून की वापसी से जनजीवन अस्तव्यस्त

पुणे/मुंबई। महाराष्ट्र में पिछले दो दिनों में जोरदार बारिश में बिजली गिरने से अब तक 25 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को राज्य के अलग अलग हिस्सों में 20 लोगों की मौत हुई है, वहीं उससे पहले शुक्रवार देर रात तक पांच लोगो की बिजली गिरने से मौत हुई थी। लगातार दूसरे दिन बरसात से किसानों की फसलों को भी काफी नुकसान हुआ है। मुंबई ठाणे और रायगढ़ में लगातार दो दिनों तक बारिश हो रही थी, इससे जन जीवन अस्तव्यस्त रहा। रायगढ़ जिले में किनेरी इलाके में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत

हुई है। शनिवार को मराठवाड़ा के धारुर में पेड़ के नीचे खड़े दस लोगों पर बिजली गिरी जिसमें से पांच लोगों की मौके पर ही मौत हुई। बाकी लोगों का हॉस्पिटल में इलाज किया जा रहा है। वहीं माजलगांव में भी खेत में काम कर रही एक महिला की बिजली गिरने से मौत हुई। औरंगाबाद जिले के पैठन में घर लौट रहे दो लोगों पर बिजली गिरी, उनकी वहीं पर मौत हो गई। पुणे के बारामती में भेड़ चराने गए शख्स, सात भेड़ और एक कुत्ते की बिजली गिरने से मौत हुई।

(पृष्ठ 1 का शेष)

टेंशन में मोदी!

साल 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, गोवा, असम समेत तमाम राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए। जिसमें सबसे दिलचस्प बात ये थी कि यहां कांग्रेस भाजपा के सामने दूर-दूर तक नजर नहीं आई। हालांकि पंजाब में कांग्रेस जीतने में कामयाब रही लेकिन उसमें भी आम आदमी पार्टी का भी बहुत बड़ा रोल था। महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी, जम्मू-कश्मीर में पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस, बिहार में आरजेडी और जेडीयू, दिल्ली में आप, हरियाण में आरएनएलडी, पंजाब में अकाली मुखिया थी, असम में असम गणपरिषद समेत क्षेत्रीय दल, यही स्थिति गोवा में यहां के क्षेत्रीय दल सत्ता बनाने और बिगाड़ने में खासी भूमिका अदा करते हैं। ऐसे में गुजरात ही पहला राज्य है जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच आमने-सामने की टक्कर होगी। 2014 के लोकसभा चुनाव दौरान भारतीय जनता पार्टी को गुजरात में 60.11 प्रतिशत वोट मिले थे और बीजेपी ने राज्य की सारी 26 लोकसभा सीटों पर कब्जा कर लिया था। वहीं, कांग्रेस ने 33.45 प्रतिशत वोट हासिल किए फिर भी उसे एक सीट तक नहीं मिली लेकिन बीजेपी इस प्रदर्शन को बीजेपी स्थानीय निकाय चुनावों में दोहरा नहीं सकी।

भागवत से डरे मोदी ने किये...

उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए नोटबंदी, एनपीए नियम, जी.एस.टी। और दिवालिया नियमों जैसे बहुत से कारण हैं। इसके बाद पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने 27 सितम्बर को अंग्रेजी के एक दैनिक समाचार पत्र में एक खुला लेख अब मुझे बोलने की जरूरत है लिखा जिसमें सरकार की कड़ी आलोचना की गई। वित्त मंत्री अरुण जेतली ने सिन्हा पर पलटवार किया और उनके आरोपों को खारिज कर दिया। यहां तक कि सिन्हा के बेटे और केन्द्रीय राज्य मंत्री ने भी अपने पिता के खिलाफ लेख लिखा। मामला यहीं खत्म हो जाता मगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने 30 सितम्बर को दशहरे के दिन एक तीखा भाषण दिया। भागवत के एक घंटे के भाषण से भाजपा नेतृत्व में हलचल मच गई क्योंकि उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर खासकर जीएसटी को लेकर लैफ्ट, राइट और सैंटर को आड़े हाथ लिया।

जब मोदी से नाराज भागवत भोजन...

पिछले पखवाड़े इसकी बानगी केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर आहूत रात्रि भोजन पर दिखी। विश्वस्त सूत्र बताते हैं कि इस डिनर में मोदी, शाह, मोहन भागवत, भैयाजी जोशी समेत 7 प्रमुख नेता शामिल थे। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मोदी सरकार व संघ के संबंधों में समन्वय बनाने को लेकर था। सूत्रों का दावा है कि जब संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सरकार की आर्थिक नीतियों को लेकर किंचित सख्त भाषा का इस्तेमाल किया तो सत्ता के शीर्ष द्वय ने इसका बुरा माना। दरअसल, भागवत की चिंता कमोबेश उसी लाइन पर थी, जो चिंता आज अरुण शौरी या यशवंत सिन्हा जता रहे हैं, भागवत की असल चिंता देश में घटती नौकरियों को लेकर थी। सूत्रों के मुताबिक भागवत की इस चिंता का मोदी ने भी अपने तरीके से जवाब दिया, उनके कहने का लबो-लुआब यह था कि वे देश के प्रधानमंत्री हैं और किंचित कड़े फैसले लेने का हक उनके पास है।

गोधरा कांड: रहेगी या टलेगी

ट्रायल कोर्ट में दोषी ठहराए गए लोगों ने इस फैसले के खिलाफ गुजरात हाईकोर्ट में अपील की थी, जिस पर फैसला सोमवार को आएगा। दोषियों का कहना था कि उन्हें न्याय नहीं मिला है। इसके चलते उन्होंने हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की थी। गौरतलब है कि गोधरा रेलवे स्टेशन पर 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के एस-6 डिब्बे को जलाए जाने की घटना में 58 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में 23 पुरुष, 15 महिलाएं और 20 बच्चे शामिल थे। इस घटना के बाद साल 2002 में ही गुजरात में बहुत बड़े स्तर पर दंगे भड़क गए थे। जानकारी के मुताबिक इन दंगों में लगभग 1 हजार लोगों की मौत हुई थी। हालांकि मरने वाले लोगों में विशेष समुदाय के लोगों की संख्या बहुत अधिक थी।

कांग्रेस की अमेठी पर...

अमेठी जिला प्रशासन की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक 10 अक्तूबर को कई योजनाओं और परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होने की संभावना है। इस मौके पर होने वाले कार्यक्रम को शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्मृति ईरानी संबोधित करेंगी। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र भी वितरित होंगे। स्मृति ईरानी के दस अक्तूबर को गौरीगंज में एफएम स्टेशन के शुभारंभ के मौके पर उपस्थित रहने की उम्मीद है। वह पिपरी गांव के निकट गोमती नदी के बाये किनारे को बचाने के लिए परियोजना के शुभारंभ में शामिल होंगी। वह अमेठी जिला अस्पताल में टीबी यूनिट का उद्घाटन करेंगी और ओदारी तिलोई में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के उद्घाटन तथा राज्य और केन्द्र सरकार की ओर से शुरू होने वाले जन कल्याण के कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी। 9 अक्तूबर को स्मृति ईरानी जगदीशपुर स्थित सेल जाएंगी और वहां एक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। अमेठी कांग्रेस का गढ़ समझा जाता था। 2014 के लोकसभा चुनाव में यहां राहुल और स्मृति के बीच कड़ा चुनावी मुकाबला देखने को मिला था। चुनाव राहुल जीते थे। राहुल को चार लाख आठ हजार 651 मत मिले जबकि स्मृति ईरानी को तीन लाख 748 वोट हासिल हुए थे। चुनाव हारने के बावजूद स्मृति की सक्रियता अमेठी में बनी रही।

देश को लूटने वाले चाहे कितने भी हों ईमानदारी ही जीतेगी: मोदी

अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भरुच में नर्मदा नदी के ऊपर बैराज के लिए नींव रखा और सूरत में उधना और बिहार में जयनगर के बीच अंत्योदय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इससे पहले उन्होंने अपने जन्मस्थान वडनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए वहां किए गए जोरदार स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया। भरुच में भी प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए रेलवे द्वारा अंत्योदय एक्सप्रेस की शुरूआत को बेहतर पहल बताया। पीएम मोदी ने कहा छठ पूजा के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले लोगों के लिए सुविधाजनक होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने यूरिया के 100 फीसद नीम कोटिंग का निर्णय लिया है ताकि इसका उपयोग केवल खेती में किया जा सके केमिकल फैक्ट्रियों में नहीं। यूरिया की नीम कोटिंग किसानों की मदद करेगी और चोरी व भ्रष्टाचार को खत्म कर देगी। चाहे देश को लूटने वाले कितने भी खड़े हो जाएं, जीतेगी ईमानदारी ही। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यआज जब मैं हाटकेश्वर महादेव के दर्शन के लिए जा रहा था तब पूरा नगर आशीर्वाद देने को उमड़ पड़ा था। हर आयु के लोग मैं दर्शन कर रहा था, बहुत पुराने दोस्तों को देखा सभी पुरानी स्मृतियों को भली-भांति देखा। बचपन की यादें ताजा हो गई। उन सारी पुरानी स्मृतियों को आज भली भांति देखा हृदय को गहरा आनंद हुआ। 15 16 साल पहले जो ऊर्जा मिलती थी आज फिर वही ऊर्जा मिली है। मैं यहां से आपके आशीवार्दों के साथ वापस जाऊंगा और भरोसा देता हूं कि देश के लिए पहले से अधिक मेहनत करुंगा। आज मैं जो कुछ भी हूं इस मिट्टी के संस्कारों की वजह से हूं। टीकाकरण के लिए शुरू किए गए अपने मिशन इंद्रधनुष के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वडनगर की धरती से मैं सभी से आह्वान करता हूं कि आप सब मिलकर इसे सफल बनाएं। हर माह सात दिन यह मिशन चलाया जाएगा ताकि हर घर के बालकों को टीका लगाया जा सके। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, ह्यजब अटलजी की सरकार थी, 15,17,18 साल पहले तब जा के हमारे देश में हेल्थ पॉलिसी बनी थी। उसके बाद 10 साल तक ऐसी सरकार आयी जिसको विकास के प्रति नफरत थी। उन्होंने स्वच्छता पर जोर देते हुए कहा, डॉक्टर अच्छे स्वास्थ्य की गारंटी नहीं ले सकते हैं लेकिन स्वच्छता यह गारंटी ले सकती है। गरीबों को सस्ती स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए लगातार हमारी सरकार प्रयास कर रही है। मैं आज मेडिकल कॉलेज के युवाओं से मिला। हमें और अधिक डॉक्टरों की आवश्यकता है जो लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान करें।

मोदी के बाद अब राहुल सोमवार से गुजरात दौरे पर, मंदिर में दर्शनों के बाद करेंगे रोड शो

गुजरात में होने जा रहे विधानसभा चुनाव को देखते हुए तेज हो रही राजनीतिक चहल पहल के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी नौ अक्तूबर से तीन दिन तक गुजरात के दौर पर रहेंगे। राज्य की उनकी यह दूसरी यात्रा होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार गांधी नौ अक्तूबर से 11 अक्तूबर तक गुजरात में रहेंगे। इस दौरान वह पश्चिमी गुजरात में दूसरा रोड शो करेंगे और कई जिलों का दौरा करेंगे। राज्य के अपने पिछले दौरे की तरह ही इस बार भी वह वहां कई मंदिरों में दर्शन करने भी जाएंगे। गांधी ने अपने पिछले दौरे की शुरूआत गुजरात के द्वारका मंदिर में दर्शन करके की थी। इस दौरान वह कई अन्य मंदिरों मे भी दर्शन करने गए थे। वह साथ ही किसानों, व्यापारियों, धार्मिक और सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों से भी मिले थे।

कांग्रेस उपाध्यक्ष सुबह 10 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डा पहुंचेंगे। पहले वह हाथीजन सर्किल जाएंगे और इसके बाद जिभाईपुरा और खेड़ा के लिए रवाना होगें जहां अमूल कार्यक्रम में उनका स्वागत किया जाएगा। जिभाईपुरा से वह संतराम मंदिर जाएंगे। यह मंदिर सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। यहां हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर में दर्शन करने के बाद गांधी स्वतंत्रता सेनानी सरदार पटेल के जन्मस्थान नदियाड़ का दौरा करेंगे। नंदियाड़ के बाद गांधी का आणंद के पेटलाड शहर जाएंगे और वहां लोगों को संबोधित करेंगे। डेरदद्दा गांव में वह महिला दुग्ध को-ऑपरेटिव के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

आणंद के बाद वह वडोदरा के सय्याजी हॉल पहुंचेंगे जहां वह कारोबारी प्रतिनिधियों और पेशेवर लोगों से मुलाकात करेंगे। रात में वह वडोदरा के सर्किट हाऊस में ठहरेंगे। गांधी 10 अक्टूबर को वडोदरा में बाबासाहेब आंबेडकर की संकल्प भूमि भी जाएंगे। इसके बाद वह आशा कार्यकताओं, किसानों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वह वडेली, छोटा उदेपुर में आम लोगों संबोधित भी करेंगे। वह ग्यारह अक्तूबर को दाहोद में अनुसूचित जनजाति के छात्रों के साथ बैठक करेंगे। दाहोद में वह कबीर मंदिर भी देखने जाएंगे। गांधी इसके बाद दिल्ली लौट जाएंगे।

अखिलेश का तंज: मैं लैपटॉप बांटता रहा, वो गाय-गोबर के नाम पर जीत गए

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री (सीएम) अखिलेश यादव ने एक कार्यक्रम में अपने स्कूली दिनों से लेकर सी.एम. बनने तक के दिलचस्प किस्से जनता के साथ सांझा किए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने सड़कें बनवाई, एक्सप्रैस-वे बनवाए और लैपटॉप बांटे। लोग भाजपा वालों के बहकावे में आ गए और वे (भाजपा वाले) गाय और गोबर के नाम पर वोट मांगकर जीत गए। अखिलेश यादव ने पत्नी डिंपल यादव से मुलाकात और प्यार के इजहार का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि तब मोबाइल नहीं थे और हम सीधे-सीधे बात किया करते थे। सिडनी से पढ़ाई करके वापस आने पर पार्टी प्रमुख मुलायम ने अखिलेश को कन्नौज से चुनाव लड़ने के लिए कहा और तब जाकर उनका राजनीतिक सफर शुरू हुआ।

मुलायम से मिलने पहुंचे अखिलेश, सुलह की संभावनाएं

समाजवादी पार्टी के नए अध्यक्ष बनने के बाद अखिलेश यादव शनिवार को लखनऊ में पहली बार मुलायम सिंह यादव से मुलाकात करने उनके आवास 5 विक्रमादित्य मार्ग पहुंचे हैं। यह उनकी पार्टी का अध्यक्ष बनने के बाद पहली मुलाकात है। यहां दोनों के बीच करीब 3 घंटे से ज्यादा समय तक चर्चा चली है। चर्चा किस मुद्दे पर हुई, इसे लेकर किसी ने भी कुछ नहीं कहा, लेकिन माना जा रहा है कि इस चर्चा के पीछे सुलह की संभावना प्रबल नजर आ रही है। बता दें, कि इससे पहले आगरा जाने से 2 दिन पहले अखिलेश यादव उनसे भेंट करने उनके आवास पर गए थे। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात बंद कमरे में चल रही है। इस भेंट के दौरान स्टाफ और बाकी लोगों को कमरे से हटाया गया है।

हिंदी फिल्म गुल मकई की शूटिंग मुंबई में शुरू

रेनेसांस पिक्चर्स के विजय जाजू, शक्ति भटनागर, संजय सिंगला और मनोज कुमार के साथ सह-निमार्ता चिराग वैष्णव और निर्देशक अमजद खान ने उनकी फिल्म गुल मकाई की शूटिंग मुंबई में शुरू की। टीवी स्टार रीम, जो एक प्रसिद्ध बाल कलाकार हैं, गुल मकई में मालाला यूसुफजई के किरदार निभा रही हैं। भस्वती चक्रवर्ती ने फिल्म के लिए पटकथा और संवाद लिखी है। दिव्या दत्ता फिल्म में मलाला की मां का किरदार कर रही हैं।

BHU के बाद गोरखपुर यूनिवर्सिटी में छात्रा से छेड़छाड़, पकड़े गए 3 दबंग

बीएचयू में छेड़छाड़ का मामला अभी लोग भुल नहीं पाए थे कि अब गोरखपुर यूनिवर्सिटी में छेड़छाड़ की एक और घटना सामने आई है। यहां 3 दबंगों ने एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। जब लड़की चीखने लगी तो तीनों भागने लगे। ये देख कैंपस में मौजूद सुरक्षा गार्ड भी अलर्ट हो गए और दबंगों को दौड़ कर पकड़ लिया। जानकारी के मुताबिक मामला दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का है। जहां 3 दबंग बाइक स्टैंड में खड़ी कर कैंपस में प्रवेश कर गए। दरवाजे पर मौजूद सुरक्षा गार्डों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे रुके नहीं। जिसके बाद वे फाइन आर्ट्स विभाग में पहुंच गए, जहां एक छात्रा से छेड़खानी करने लगे। छात्रा ने विरोध किया और शोर मचाने लगी। आवाज सुनकर दीक्षा भवन में तैनात सुरक्षा गार्ड पहुंच गए।

दबंगों ने भागने की कोशिश की लेकिन तब तक सूचना मिल जाने से प्रॉक्टर प्रो. गोपाल प्रसाद गार्डों को लेकर आ गए और तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों ने खुद को यूनिवर्सिटी का स्टूडेंट बताया, लेकिन जब सख्ती से पूछताछ हुई तो तीनों ने बाहरी होने की बात कबूली।

दबंगों की पहचान नंदानगर निवासी राज किशोर यादव, विजय पासवान और मोहनापुर पादरी बाजार निवासी आलोक शर्मा के रूप में हुई। वहीं पुलिस का कहना है कि प्रॉक्टर की तहरीर पर पुलिस ने तीनों दबंगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उत्तर कोरिया के बारे में अब सिर्फ एक चीज करेगी काम: ट्रंप

उत्तर कोरिया के सनकी किंग की हरकतों और धमकियों से तिलमिलाए अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक कहा है कि उत्तर कोरिया के साथ किए गए कूटनीतिक प्रयास लगातार विफल हुए हैं और अब सिर्फ एक चीज काम करेगी। ट्रंप ने शनिवार को ट्वीट किया, अमरीका द्वारा पिछले 25 वर्षों से उत्तर कोरिया से बात की जा रही है। कई समझौते भी किए गए और इस मामले में काफी धन भी खर्च किया गया। लेकिन इस तरह की चीजें काम नहीं कर पाईं, समझौतों का उल्लंघन तत्काल किया गया और अमरीकी वातार्कारों को बेवकूफ बनाया गया। माफ कीजिए, लेकिन अब सिर्फ एक चीज काम करेगी। अमरीका ने उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु परीक्षण पर रोक लगाने के लिए बल प्रयोग से इंकार नहीं किया है। ट्रंप उत्तर कोरिया को पूरी तरह से बर्बाद करने की चेतावनी भी दे चुके हैं। ट्रंप ने हाल ही में ईरान, उत्तर कोरिया और इस्लामिक स्टेट को लेकर सैन्य नेतृत्व के साथ हुई हालिया बैठक में पत्रकारों से कहा था कि यह तूफान के आने से पहली की शांति है, हालांकि ट्रंप ने इस टिप्पणी को स्पष्ट नहीं किया। पिछले सप्ताह विदेश मंत्री रेक्स टिलरसन के चीन के शीर्ष अधिकारियों से मिलकर अमरीका लौटने पर ट्रंप ने ट्वीट कर कहा था कि उनके दूत उत्तर कोरिया से बातचीत को लेकर सिर्फ अपना समय बर्बाद कर रहे हैं।

वड़ा पाव ने बदल दी जिंदगी, एक साल में कमाए करोड़ों

कई बार जिंदगी ऐसा मोड़ लेती है कि इंसान ने कभी सोचा भी नहीं होता। ऐसा ही हुआ मुंबई से लंदन गएभारतवंशी सुबोध जोशी और सुजय सोहानी के साथ जिनकी लाइफ वड़ा पाव ने बदल दी। 2007 में जब मंदी का दौर आया तो सुजय की नौकरी हाथ से चली गई और उस समय उसके पास बिजनेस के अलावा कोई विकल्प नहीं था। यह एक बड़ा जोखिम था लेकिन उसने खुद पर यकीन किया और आगे कदम बढ़ाया।

सुजय ने अपने क्लासमेट सुबोध जोशी से संपर्क किया जो कि खुद नौकरी के लिए संघर्ष कर रहा था। सुजय ने उससे बात की कि अगर वे लंदन में वड़ा पाव स्टॉल लगाए तो कैसा रहेगा। इसके बाद एक वड़ा पाव स्टॉल ने दोनों की जिंदगी पूरी तरह बदल दी और उन्हें उतना मिला जिसकी उम्मीद नहीं थी ।इस साधारण से वड़ा पाव बिजनैस से उनका आज एक साल में 4 करोड़ से ज्यादा टर्नओवर है। अब उन्होंने लंदन में एक शानदार वड़ा पाव स्टॉल तैयार कर लिया है। अब उनके एक या दो नहीं 4 शाखाएं हैं। दोनों ने ही होटल मैनेजमेंट किया हुआ है और लंदन में ही काम करते थे लेकिन मंदी के बाद दोनों की जॉब चली गई थी।

उन्होंने पहले पॉलिश आइसक्रीम कैफे के बाहर स्टॉल शुरू किया था लेकिन उन्हें वहां कोई मुनाफा नहीं हुआ। तब उन्होंने जगह बदलने की योजना बनाई। उनका फोकसवड़ा पाव का एडवरटाइज करना और इसे लंदन में लोकप्रिय बनाना था । यह एक यूनिक आइडिया था और इसे इंडियन बर्गर की तरह टैग किया गया। लोगों को वे बता पाए कि यह अन्य बर्गर से ज्यादा टेस्टी और सस्ता है। जल्द ही उनका बिजनेस बढ़ने लगा। उन्हें जगह की जरूरत थी तब एक पंजाबी रेस्टोरेंट ने उनसे हाथ मिलाने को कहा और वे राजी हो गए। यह प्रपोजल काम कर गया और एक छोटी स्टॉल ह्यश्री कृष्ण वड़ा पाव रेस्टोरेंट में तब्दील हो गई। उनके साथ अब 35 पॉलिश और रोमानियन लोग काम करते हैं।

नाथुला बॉर्डर पहुंचीं निर्मला सीतारमण

रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने चीन-भारत सीमा पर नाथुला इलाके का शनिवार को दौरा किया और सेना तथा भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों से बातचीत की। सिक्किम सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी बयान के मुताबिक, सिक्किम के सीमावर्ती इलाके में डोकलाम और अग्रिम चौकियों के हवाई सर्वेक्षण का उनका कार्यक्रम खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया। इससे पहले राज्य सरकार के अधिकारियों ने कहा था कि रक्षा मंत्री ने डोकलाम-नाथुला इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया।

सिक्किम के एक दिवसीय दौरे पर आई सीतारमण गंगटोक से 52 किलोमीटर दूर नाथुला सड़क मार्ग से पहुंचीं और उन्होंने वहां तैनात सेना तथा आईटीबीपी अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान सीमा पार से चीनी सैनिक उनकी तस्वीरें ले रहे थे इस पर रक्षा मंत्री ने उनका अभिवादन किया। सीतारमण ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा कि सीमा पर जब वह नाथुला पहुंचीं तो चीनी सैनिकों ने उनकी तस्वीरें लीं। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मैंने बाड़ के दूसरी ओर कई चीनी सैनिकों को देखा जो नाथुला पहुंचने पर मेरी तस्वीरें ले रहे थे। सीतारमण को नाथुला पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्हें पूर्वी कमान के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अभय कृष्णा ने सिक्किम सेक्टर में चीन-भारत सीमा पर सुरक्षा तैयारियों के बारे में बताया।
उपसेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सारथ चंद्रा भी वहां मौजूद थे। रक्षामंत्री ने सैनिकों को मिठाइयां भी गिफ्ट कीं। उन्होंने बाद में सिक्किम के मुख्यमंत्री पवन चामलिंग से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और सेना तथा राज्य के वन विभाग के बीच भूमि मुद्दे समेत विभिन्न मुद्दों पर राज्य सरकार से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि चामलिंग ने सरकार की ओर से पूरा हस्तक्षेप करने का आश्वासन दिया।

एयरफोर्स डे पर बोले धनोआ, शॉर्ट नोटिस पर लड़ने के लिए तैयार है वायुसेना

वायुसेना प्रमुख (एयर चीफ मार्शल) बी.एस.धनोआ ने कहा कि वायुसेना शॉर्ट नोटिस पर लड़ाई या किसी भी आपात स्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार है। एयर चीफ मार्शल धनोआ ने आज यहां वायुसेना बेस पर वायुसेना की 85 वीं वर्षगांठ के मौके पर कहा व जरूरत पड़ने पर हम शॉर्ट नोटिस पर लड़ाई के लिए तैयार है। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि वह देशवासियों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि किसी भी संकट या आपात स्थिति से मुकाबले के लिए वायुसेना सामने खड़ी है। वायुसेना रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में मेक इन इंडिया के तहत स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एयर चीफ मार्शल ने इस मौके पर वायुसेना के एक मात्र मार्शल अर्जुन सिंह को भी याद किया। मार्शल अर्जन सिंह का पिछले माह 101 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने दो दिन पहले अरुणाचल प्रदेश में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में कर्तव्य निभाते हुए प्राणों का बलिदान देने वाले पांच वायु योद्धाओं और सेना के दो जवानों को भी श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायुसेना दिवस के मौके पर जांबाज योद्धाओं और उनके परिजनों को शुभकामनाएं दी हैं।

मोदी ने कहा है कि इन अधिकारियों तथा जवानों की दृढ़ प्रतिज्ञा के कारण ही हमारी हवाई सीमाएं सुरक्षित हैं। इस मौके पर वायुसेना के रणबांकुरों ने भव्य परेड में कदम ताल की। वायुसेना के सभी प्रमुख लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों ने अपनी ताकत तथा हैरतअंगेज करतबबाजी का भी प्रदर्शन किया। इस मौके पर मालवाहक विमानों तथा वायुसेना के पुराने बेड़े के विमानों ने भी अपने जौहर दिखाए।

जुलाई-अगस्त-सितंबर के लिए भरना होगा मासिक रिटर्न, तिमाही रिटर्न की व्यवस्था अक्टूबर से

जीएसटी काउंसिल ने डेढ़ करोड़ रुपये तक टर्नओवर वाले व्यापारियों को तिमाही रिटर्न दाखिल करने की जो सुविधा दी है, वह एक अक्टूबर 2017 से प्रभावी होगी। ऐसे व्यापारी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही का रिटर्न अगले साल जनवरी में दाखिल कर सकेंगे। हालांकि जुलाई से सितंबर के तीन महीनों के लिए इन व्यापारियों को मासिक रिटर्न ही दाखिल करना होगा। सूत्रों ने कहा कि जल्द ही जीएसटी काउंसिल इस संबंध में अधिसूचना जारी करेगा और अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही के रिटर्न कब तक दाखिल होंगे इसकी समयसारणी भी जारी होगी। शुरूआती तीन महीनों-जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए इन कारोबारियों को पूर्ववत मासिक रिटर्न जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-2 के रूप ही जमा करने होंगे। उल्लेखनीय है कि फिलहाल जुलाई माह का ही जीएसटीआर-1 दाखिल किया जा रहा है जिसकी अंतिम तिथि 10 अक्टूबर है। इसी तरह अगस्त के लिए अभी जीएसटीआर-3बी दाखिल किया जा रहा है। वैसे अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अगस्त का जीएसटीआर-1 कब दाखिल किया जाएगा। राजस्व सचिव हसमुख अढिया का कहना है कि अगस्त और महीने का जीएसटीआर-1 दाखिल करने के लिए सरकार नई समयसारणी जारी करेगी। हालांकि इस बीच जीएसटीआर-3बी दाखिल करने की व्यवस्था दिसंबर तक चलती रहेगी। जीएसटी काउंसिल की शुक्रवार को हुई 22वीं बैठक में सालाना डेढ़ करोड़ रुपये तक टर्नओवर वाले व्यापारियों को मासिक रिटर्न दाखिल करने से छूट देने का फैसला किया है। काउंसिल का कहना है कि इस निर्णय से जीएसटी में पंजीकृत 90 प्रतिशत व्यापारियों को जीएसटी के मासिक रिटर्न दाखिल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

उद्योग जगत ने किया जीएसटी काउंसिल के निर्णयों का स्वागत छोटे और मझोले कारोबारियों को जीएसटी के अनुपालन में बड़ी राहत देने के जीएसटी काउंसिल के कदम का उद्योग जगत ने स्वागत किया है। उद्योग संगठन पीएचडी चैम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष गोपाल जीवराजका का कहना है कि काउंसिल ने यह कदम उठाकर सकारात्मक संकेत दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वर्कर्स से घरेलू काम नहीं कराएंगे अफसर

वीआईपी कल्चर पर रोक के लिए रेलवे का ऑर्डर

नई दिल्ली। रेलवे में वीआईपी कल्चर को खत्म करने के लिए मिनिस्ट्री ने एक ऑर्डर जारी किया। इसके मुताबिक, अब कोई भी रेलवे अफसर निजी कामों के लिए घरों में वर्कर्स की ड्यूटी नहीं लगा सकता है। साथ ही ऐसा करने वाले अफसरों के लिए फौरन वर्कर्स को रिलीव करने के ऑर्डर दिए गए। ताकि रेलवे कर्मचारी अपने मूल काम पर लौट आएं। इसके अलावा 36 साल से जारी प्रोटोकॉल के तहत रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और मेंबर्स को भी दौरे के वक्त वीआईपी ट्रीटमेंट नहीं मिलेगा।

खबर के मुताबिक, ऑर्डर में कहा गया है कि बोर्ड के चेयरमैन और मेंबर्स की विजिट के वक्त मिलने वाले वीआईपी ट्रीटमेंट की गाइडलाइन्स को फौरन वापल लिया जाए। इतना ही नहीं सीनियर अफसरों को अपने घरों में ड्यूटी पर लगे स्टाफ को भी फौरन

रिलीव करना होगा। बोर्ड के चेयरमैन अश्विनी लोहानी ने कहा कि दौरे पर गया कोई रेलवे अफसर अब बुके और गिफ्ट भी नहीं लेगा। अब चेयरमैन और मेंबर्स की जोनल विजिट में आवाजाही के वक्त जनरल मैनेजर को स्टेशन पर मौजूद रहना जरूरी नहीं है।

क्या था अब तक प्रोटोकॉल?

बता दें कि 1981 में जारी सर्कुलर के मुताबिक, अगर रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और बाकी मेंबर्स किसी जोन के दौरा करते थे, तब जनरल मैनेजर को प्रोटोकॉल फॉलो करते हुए उन्हें रिसीव करने और छोड़ने के लिए रेलवे स्टेशन-एयरपोर्ट्स जाना पड़ता था।

30 हजार ट्रैकमैन रेलवे अफसरों की ड्यूटी में लगे

एक सीनियर अफसर ने बताया कि फिलहाल 30 हजार ट्रैकमैन सीनियर अफसरों के घरों में काम पर लगे हुए हैं। इनमें से करीब 7 हजार वर्कर वापस अपने काम पर लौट आए हैं। हमें उम्मीद है कि जल्द ही पूरा स्टाफ काम पर लौटेगा। स्पेशल कंडीशन्स को छोड़कर कोई भी रेलवे वर्कर्स से निजी काम नहीं करा सकता है।

रेलवे के सीनियर अफसर स्लीपर कोच में सफर करें

हालांकि, रेल मंत्री पियूष गोयल कह चुके हैं कि रेलवे के अफसरों को आरामदायक सैलून्स (डिब्बों) और एक्जीक्यूटिव क्लास में सफर करना छोड़ देना चाहिए। इसके लिए स्लीपर और एसी थर्ड कोच में सफर करें ताकि पैसेंजर्स से घुल-मिल सकें। इनमें रेलवे बोर्ड के सभी मेंबर, जोन के जनरल मैनेजर और सभी 50 डिविजनों के मैनेजर शामिल हैं।

लखनऊ में पुलिस बूथ के अंदर मानसिक विक्षिप्त महिला से दुष्कर्म

लखनऊ। प्रदेश सरकार भले ही महिला तथा लड़कियों के प्रति अपराध कम करने को लेकर बेहद संजीदा है, लेकिन लखनऊ में तो पुलिस बूथ में ही मानसिक विक्षिप्त महिला से दुष्कर्म हो रहा है। प्रदेश की राजधानी में कल दुष्कर्मी को पुलिस के तमाम कैमरे भी नहीं पकड़ सके। एक महिला ने जब महिला की चीख सुनी तो आसपास के लोगों की मदद से दुष्कर्मी को पकड़ा। महिला बिहार की रहने वाली है। प्रदेश के सभी नगरों में पुलिस के बूथ पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा है कि आप कैमरे की नजर में हैं।

यह सब महज धोखा है, कही कोई कैमरा नहीं लगा है। पुलिस बूथ के सामने चार पहिया वाहनों की बीच सड़क पर पार्किंग से दिन भर जाम से लोग जूझते हैं। बूथ में कोई पुलिसकर्मी नहीं रहता जबकि पुलिस बूथ केवल शो पीस बनकर खड़ा है। दोपहर के वक्त और शाम होते ही कुछ वदीधारी वसूली करते जरूर दिख जायेंगे। लखनऊ में हसनगंज थाना क्षेत्र के डालीगंज रेलवे क्रासिंग के पास फ्लाईओवर (ओवर ब्रिज) के नीचे सीतापुर रोड पर पुलिस बूथ है। इसी पुलिस बूथ के भीतर कल रात में एक मानसिक विक्षिप्त महिला के साथ दुष्कर्म किया गया। महिला के चीखने की आवाज सुनकर पास में ही अपने बच्चों के साथ आइसक्रीम खा रही महिला ने पुलिस बूथ के पास जाकर देखा तो वह सन्न रह गई। महिला ने राहगीरों को बुलाया तो आरोपी भागने लगा। भागते वक्त आरोपी को लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया और वहां उसकी जमकर धुनाई करने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी की पहचान निरालानगर इलाके के लाल कॉलोनी निवासी राहुल चौधरी के रूप में हुई है। लखनऊ में देर रात हुई इस वारदात ने पुलिस की सुरक्षा और कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े किए हैं। पुलिस ने विक्षिप्त महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई की। पुलिस बूथ में हुई इस रेप की घटना से जहां हाईटेक पुलिस की पोल खुल गई है वहीं दूसरी तरफ इस घटना से पुलिस महकमे में भी खलबली मची है। हुस्नआरा (समाजसेविका) बच्चों के साथ हसनगंज के डालीगंज क्रासिंग पर बने फ्लाईओवर के नीचे आइसक्रीम खा रहीं थीं। तभी एक महिला के चीखने की आवाज पुलिस बूथ के भीतर से आ रही थी। महिला ने जब पास जाकर देखा तो बूथ के अंदर एक युवक बुजुर्ग मानसिक विक्षिप्त महिला के साथ दुष्कर्म कर रहा था। आरोपी युवक उस विक्षिप्त महिला का मुंह दबाने का प्रयास कर रहा था। इसको देखने के बाद समाजसेविका ने शोर मचाया तो आरोपी युवक उस पीड़ित महिला को पीछे ढकेलते हुए भागने लगा।

आरोपी को भागता देख राहगीरों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और और उसे खूब धुना। सूचना मिलते ही मौके पर एएसपी ट्रांसगोमती हरेंद्र कुमार, सीओ अलीगंज डॉ. मीनाक्षी, थाना प्रभारी पीके झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने महिला को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपित राहुल विक्षिप्त महिला को बहलाकर पुलिस बूथ में ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। महिला के चिल्लाने पर राहगीरों ने बूथ में उसे दबोच लिया।

रात में ट्रकों से वसूली करती है पुलिस

लोगों के मुताबिक, वहां पर पुलिस बूथ तो बना है, लेकिन कोई पुलिस कर्मी वहां नहीं बैठता। यह लोग तो रात में भारी भार वाहनों और ट्रकों से वसूली में लगी रहती है। वसूली के चलते पुलिस बूथ पर कोई भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं रहता। घटना के वक्त भी पुलिस बूथ में कोई नहीं मौजूद था। जिसके कारण वहां से गुजर रही विक्षिप्त महिला को युवक ने पुलिस बूथ में खींच लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने इसका विरोध किया और चीखने चिल्लाने लगी। इसके बाद महिला को दरिंदे के चंगुल से बचाया जा सका।

पांच हजार स्कूलों में होगी अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई

लखनऊ। प्रदेश के पांच हजार प्राथमिक विद्यालयों में अब अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई होगी। अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों के प्रति छात्रों के रुझान को देखते हुए यह विचार किया गया है। हर ब्लाक के पांच विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित किया जाएगा। उसके साथ ही बेसिक शिक्षा में सुधार के लिए कई कदम उठाए जाएंगे। बेसिक शिक्षा एवं बाल विकास पुष्टाहार राज्यमंत्री अनुपमा जायसवाल ने शनिवार को पत्रकारों को यह जानकारी दी। छह माह की विभागीय उपलब्धियों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल चलो अभियान के तहत इस साल परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की संख्या बढ़ी है। एक लाख 58 हजार 837 विद्यालयों में इस वर्ष एक करोड़ 53 लाख 85 हजार 541 बच्चों का प्रवेश कराया गया, जबकि पिछले साल यह संख्या एक करोड़ 52 लाख थी। उन्होंने बताया कि वर्तमान शैक्षिक सत्र में 9.53 करोड़ पाठ्य पुस्तकों एवं 2.30 करोड़ कार्य पुस्तिकाओं का वितरण किया गया है। इसके साथ ही बच्चों को यूनिफार्म, जूता और स्कूल बैग के वितरण का कार्य भी पूरा होने करीब है। एक सवाल पर उन्होंने बताया कि निजी विद्यालयों में इस साल हजार गरीब बच्चों को प्रवेश दिलाया गया है।

ऑनलाइन होगी शिक्षकों की उपस्थिति

राज्यमंत्री अनुपमा जायसवाल ने बताया कि दैनिक अनुश्रवण प्रणाली के तहत विद्यालयों से रोज मिड डे मील योजना की जानकारी ली जा रही है। शिक्षकों और छात्र-छात्रओं की उपस्थिति को भी इससे जोड़ने की योजना है। एक लाख से अधिक स्कूलों से यह जानकारी ली जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के तबादलों पर अभी हाईकोर्ट की रोक है। अब ऑनलाइन ट्रांसफर ही होंगे।

बिहार में कंट्रोल नहीं हो रहा क्राइम, पटना में हर दूसरे दिन एक की हत्या

पटना। बिहार के भोजपुर जिले का उदवंतनगर में शनिवार की देर शाम थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव के चकरदह टोला में एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। शनिवार को ही बेगूसराय जिले के मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी में बेखौफ अपराधियों ने पूर्व मुखिया मुन्ना सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। एक दिन में हत्या की सिर्फ ये दो वारदात ही बताने को काफी है कि बिहार में अपराधियों का मनोबल किस हद तक बढ़ गया है। बिहार में इन दिनों क्राइम आॅउट आॅफ कंट्रोल हो गया है। सबसे अधिक पटना जिले में अपराधिक वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। सितंबर महीने की ही बात कर लें तो हालात काफी भयावह है। इस माह में विभिन्न जिलों में घटी हत्या की वारदातो पर नजर डालें तो राजधानी पटना ही टॉप पर है। पटना जिले में जहां 16, वहीं गोपालगंज में 04, सीतामढ़ी में 05, सुपौल-में 02, समस्तीपुर में 05, छपरा में 03, खगड़िया में 03, मोतिहारी में 02, नालंदा में 06, कटिहार में 06, कैमूर में 05, सीवान में 03, नवादा में-03, अररिया में 02, बेगूसराय में 05, जमुई में 01, गया में 13, शेखपुरा में 03, पूर्णिया में 03, बेतिया में 06, हाजीपुर में 05, सासाराम में 05, जहानाबाद में 04, भागलपुर में 09, किशनगंज में 03, मुंगेर में 03 और बांका में 05 हत्याएं हुई हैं।

कोई दरवाजे के बिना और किसी का है पर्सनल सूरज, ऐसे हैं दुनिया के अनोखे गांव

हमने आजतक दुनिया के अनोखे देशों और शहरों के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे विचित्र गांवों के बारे में बताएंगें जिनके बारे में शायद ही पहले किसी ने सुना होगा। इन अनोखे गांवों की कई ऐसी बातें हैं जो आपको हैरान कर देंगी। आइए जानिए ऐसे ही कुछ विचित्र गांव

1. बिना दरवाजों वाला गांव

यह गांव महाराष्ट्र के शनि शिंग्नापुर में है। इस छोटे से गांव में किसी के घर में भी दरवाजे नहीं है। शनि भगवान के इस गांव में लोगों का मानना है कि यहां शनि देव की विशेष कृपा है और यहां कभी कोई चोरी नहीं होती। यही नहीं घरों के साथ-साथ यहां बैंकों में भी दरवाजे नहीं लगे।

2. नीला गांव

स्पेन देश में स्थित इस गांव में सभी घरों में नीला पेंट है। दरअसल यहां एक फिल्म की शूटिंग के लिए कुछ घरों को नीला रंग किया गया था। इन्हीं घरों की देखो-देखी यहां बाकी लोगों ने भी अपने घरों में नीला पेंट करवा लिया।

3. गांव का अपना सूरज

दुनिया में देश चाहे जितने भी हो लेकिन आसमान में सूरज सब जगह एक ही है लेकिन इटली में स्थित इस गांव में अपना पर्सनल सूरज है। यह गांव एक गहरी घाटी में बसा है और यहां धूप बिल्कुल नहीं आती। इस समस्या का हल निकालने के लिए इंजीनियरों और आर्किटेक्ट ने एक बहुत बड़ा शीशा पहाड़ी पर लगा दिया जिससे सूरज की रोशनी इस शीशे से होती हुई गहरी घाटी तक पहुंच जाती है।

4. बिना सड़क वाला गांव

नीदरलैंड में बसे इस गांव में एक भी सड़क नहीं है। लोग यहां कहीं आने-जाने के लिए नहर से सफर करते हैं।

5. सोते लोगों का गांव

कलाची नाम का यह गांव कजाकिस्तान में स्थित है। इस गांव की विशेषता यह है कि यहां ज्यादातर लोगों को सोने की बीमारी है जिस वजह से अधिकतर लोग सोते रहते हैं।

दुनिया की भीड़ से दूर, इस जगह पर हैं प्रकृति का खूबसूरत नजारा

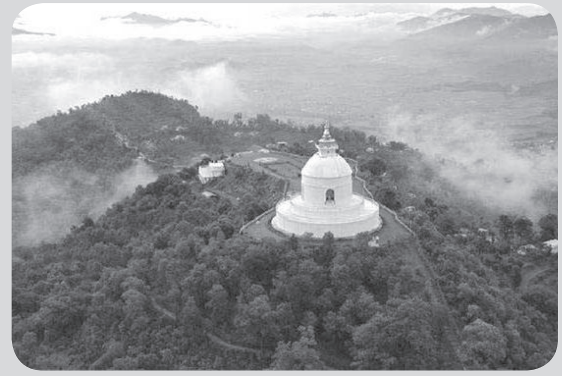

भारत का हर देश अपनी-अपनी खासियत के लिए जाना जाता है। आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहें है, जहां पर आप दो धर्मों का अनोखा मेल देख सकते है। यहां कि संस्कृति और सुंदरता टूरिस्टों को अपनी ओर आकृषित करती है। आइए जानते है इस देश के बारे में कुछ इंटरस्टिंग बाते।

बिहार में आप जैन और बौद्ध घर्म के अनोखे मेल को देख सकते है। हर साल यहां पर घूमने के लिए हजारों की संख्या में टूरिस्ट आते है। भारत के 7 शांति स्तूपों में से यहां पर मौजूद विश्व शांति स्तूप को सबसे बड़ा माना जाता है। 1969 में इस ऐतिहासिक स्तूप का निर्माण लोगों के बीच शांति स्थापित करने के लिए किया गया था।

हिरण्य पर्वत पर बने इस शांति स्तूप का नजारा बेहद खूबसूरत है। अपनी सुंदरता और दो धर्मों के संगम से इस शंाति स्तूप ने विश्व में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। यहां पर आपको अजीब से शांति का अनुभव होता है।

इस स्तूप को एक ही तरह के पत्थर से बनाया गया है। यहां पर टूरिस्टों के लिए प्कनिक स्पॉट भी बनाया गया है। पहाड़ी के उपर से आप प्राकृतिक नजारों और नदि का मजा ले सकते है। यहां पर बने बाग बगीचे आपको खुश कर देंगे। इस जगह पर आप अपने बच्चों को घूमाने के साथ-साथ उन्हें हिस्टोरिकल नॉलेज भी दे सकते है।

एक तेंदुए को पकड़ने में लगे २०० लोग

जंगल में घूमने-फिरने वाले खूंखार जानवर जब रिहायशी इलाके में घुस आएं तो खतरा काफी बढ़ जाता है। हाल ही में भारत की सबसे बड़ी कार फैक्ट्री में एक तेंदुए के घुस आने से हलचल मच गई। मामला शुक्रवार का है, मानेसर सथित मारुति सुजुकी की फैक्ट्री में सुबह-सुबह एक तेंदुए के आ जाने की खबर ने खलबली मचा दी। बताते हैं कि फैक्ट्री का गेट खुला होने के चलते एक तेंदुआ अंदर घुस आया। फैक्ट्री इतनी बड़ी है कि पहले तो किसी की नजर तेंदुए पर नहीं पड़ी। लेकिन जैसे ही एक कर्मचारी ने उसे देखा वह भागता हुआ अन्य कर्मियों के पास पहुंचा। इससे पहले कि तेंदुआ किसी पर हमला करता आनन-फानन फैक्ट्री खाली करा दी गई।

200 लोगों ने 36 घंटे में पकड़ पाया

सूचना पाकर पुलिस के साथ-साथ वाइल्डलाइफ टीम तेंदुए को पकड़ने पहुंची। शुरूआत में वन विभाग के कर्मचारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 36 घंटे बाद तेंदुए पकड़ में आया। बताते हैं कि वन विभाग के कर्मचारियों ने जिंदा बकरी का लालच देकर तेंदुए को अपने जाल में फंसाया। इस पूरे घटनाक्रम में किसी के हताहत होने के खबर नहीं है। हालांकि तेंदुए को पकड़ने में करीब 200 लोग लगे, तब जाकर उसे जाल में बंद किया जा सका।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। विवाद से बचें। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। धनलाभ होगा। अपने परिश्रम से लाभ प्राप्त करेंगे। यात्रा सफल रहेगी।

सिंह
धार्मिक स्थान के दर्शन हो सकते हैं। बाहरी मदद से कार्य होंगे। धनलाभ होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन कार्य योजना के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। जोखिम न लें। आजीविका के क्षेत्र में उन्नति होगी। विवेक से कार्य करें।

वृष
झंझटों में न पड़ें। व्ययवृद्धि होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। कर्ज लेना पड़ सकता है। तनाव रहेगा। नवीन कार्य की योजना के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या
वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। कार्यक्षेत्र में विश्वास हासिल करने में सफल रहेंगे।

मकर
दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कार्यक्षेत्र में सावधानी रखें।

मिथुन
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। आपके निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला
वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। धनलाभ होगा। चोट व रोग से बचें। तनाव रहेगा। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। रुका काम बनने से प्रसन्नता होगी।

कुंभ
मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। धनलाभ होगा। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। शत्रु शांत रहेंगे। लाभदायी योजना हाथ आएगी।

कर्क
योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार में तनाव संभव है। सामंजस्य बैठाएं। लाभ होगा। सरकारी कार्यों से धन मिलने की संभावना रहेगी।

वृश्चिक
संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। बेचैनी रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आजीविका के क्षेत्र में सही फैसला लेंगे।

मीन
घर-परिवार की चिंता रहेगी। बिछड़े मित्रों से मिलन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। रुकी रकम प्राप्त होने से आर्थिक स्थिति सुधरेगी।

बाजीगर खानसामा! इस शेफ की कलाकारी देखकर दंग रह जाएंगे आप

बाजीगर खानसामा! इस शेफ की कलाकारी देखकर दंग रह जाएंगे आपबाजीगर खानसामा! इस शेफ की कलाकारी देखकर दंग रह जाएंगे आपआप अक्सर होटल में खाना खाने जाते होंगे। वहां मिलने वाला लजीज खाना आपके लिए शेफ तैयार करते हैं। हम आपको आज एक अनोखे शेफ से मिलवाने जा रहे हैं जो अंडे से चित्रकारी करना जानता है।

अंडे के यॉक से बनाया हॉर्ट

अंडा पकाने के बहुत से तरीके होते हैं। कोई अंडे का उबले पानी में पकाता है तो कोई उसे फोड़ कर तेज आंच पर तवे पर पकाता है पर आपने कभी अंडे को इस तरह पकते हुए नहीं देखा होगा जैसे हम आपको आज दिखाने वाले हैं। एक शेफ ने अंडे से पहले हार्ट की शेप बनाई और फिर उसपर एक तीर भी बनाया। इसके बाद बचा हुआ अंडा उसने बीच में ही रख दिया। ये वीडियो पिछले 30 सितंबर से चीन की सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जापान के रेस्टोरेंट का है वीडियो

इस वीडियो को मोबाइल से बनाया गया है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे एक शेफ अंडे को तोड़े बिना उसे पकाता है। इसके बाद एक छोटे से कट से वो अंडे को फोड़ता है और एक बेहतरीन सी दिखने वाली डिश तैयार हो जाती है। अंडे से यॉक धीरे-धीरे बाहर आता है और शेफ गर्म तवे पर उस यॉक से हार्ट की शेप देता है। इस वीडियो को 13 सितंबर को जापान में शूट किया गया था। जापान के शेनजेन रेस्टोरेंट इस वीडियो को शूट किया गया है।

त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है पुदीना

पुदीना सिर्फ आपके खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी त्वचा में भी गजब का निखार लाता है। खासतौर पर जिन लोगों के चेहरे पर दाग-धब्बे और मुंहासे हैं, उन्हें पुदीने की पत्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। आईए जानते हैं कि चेहरे के लिए कैसे फायदेमंद है पुदीना।

पुदीने के फायदेः-

- बदलते मौसम के साथ त्वचा में डलनेस आने लगती है। अगर आप डाइट में पुदीना लेंगे तो त्वचा को भरपूर एंटीऑक्सीडेंट्स मिलेंगे और आपकी स्किन ग्लो करेगी।
- कीड़े के काटने या गर्मी की वजह से त्वचा पर रैशेज और जलन जैसी समस्याएं हो जाती हैं। ऐसे में पुदीने का पेस्ट लगाने से आपको तुरंत ठंडक महसूस होगी। यह एक बेहतरीन एंटीसेप्टिक भी है।
- गर्मियों में पुदीने का रस या कच्चे आम के रस के साथ पुदीने का सेवन करने से लू नहीं लगती है।
- पेट में गैस होने पर एक कप गर्म पानी में आधा छोटा चम्मच पुदीने का रस डालकर पिएं।
- नाक बंद होने की स्थिति में ताजे पुदीने के पत्ते को सूंघना फायदेमंद रहेगा।
- दांतों की देखभाल, मुंहासे और ब्लैकहेड्स को भी पुदीने की पत्तियों से ठीक किया जा सकता है।
- घर के चारों ओर पुदीने के तेल का छिड़काव करने से मक्खियां-मच्छर नहीं आते।

सनबर्न स्किन से बचने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

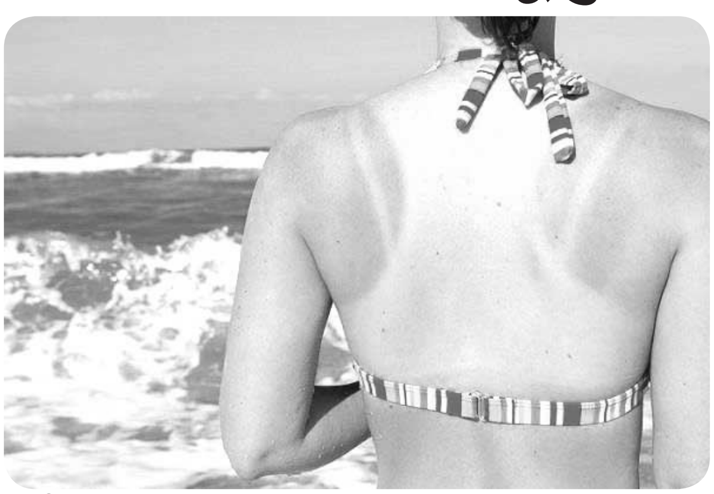

भले ही सर्दियां शुरू होने वाली है लेकिन इन दिनों तेज धूप काफी होती है जिस वजह से स्किन झुलसने लगती है। जिसे हम सनबर्न का नाम भी देते है। इससे चेहरा झुलस सा जाता है जिससे चेहरे की खूबसूरती भी कम लगने लगती है। ऐसे में बहुत सी महिलाएं सनबर्न क्रीम्स का इस्तेमाल तो करती है लेकिन इनके कई साइड -इफैक्ट्स भी होते है। काम आते है घरेलू नुस्खे। आज हम आपको सनबर्न स्किन से छुटकारा दिलाने वाले कुछ प्रभावी नुस्खो के बारे में बताएंगे, जो काफी आसान भी है।

आईस क्यूब

सनबर्न से प्रभावित स्किन पर आइस क्यूब घिसने से जलन कम होती है। इससे स्किन टाइट होती है और चेहरे पर ग्लो आता है।

शहद और नींबू

शहद में नींबू का रस मिलाकर स्किन पर लगाएं। इससे जलन कम होगी और चेहरे का रंग साफ होगा।

ठंडा दूध

ठंडे दूध को रूई की मदद से चेहरे पर लगाएं। इसमें मौजूद लैक्टिड एसिड स्किन को स्मूद और फेयर बनाता है।

सोडा

खाने वो सोडे में पानी मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे सनबर्न से प्रभावित स्किन पर लगाएं। इससे जलन और खुजली दूर होगी। चेहरे की रंगत में निखार आएगा।

दही

ठंडे दही में प्रोबायोटिक्स, कैल्शियम, प्रोटीन मौजूद होता है जो स्किन पर ग्लो बनाएं रखता है और उसे मुलायम बनाता है।

मुलतानी मिट्टी

मुलतानी मिट्टी में दूध डालकर पेस्ट बनाएं। इससे चेहरे की जलन दूर होगी और ग्लो भी आएगा।

आप भी करते हैं नींबू का अधिक सेवन तो हो जाएं सावधान !

नींबू में काफी ज्यादा मात्रा में पाई जाने वाली विटामिन सी की मात्रा सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती लेकिन नींबू का बहुत अध्क सेवन सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है। आज हम आपको ज्यादा नींबू के इस्तेमाल से होने वाली ऐसी ही कुछ समस्याओं को बारे में बताने जा रहें है।

1. पेट दर्द की समस्या

जरुरत से ज्यादा नींबू का सेवन एसिडिटी स्तर को बढ़ा देता है जिसके कारण आपको पेट दर्द की समस्या हो सकती है। केवल 1- बूंदें ही नींबू के रस का सेवन सेहत के लिए सही होता है।

चेहरे पर इन 5 चीजों का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

खूबसूरत दिखता तो हर किसी को अच्छा लगता है लेकिन सुंदर दिखने के लिए कई बार आप चेहरे को खराब करने वाली चीजों का इस्तेमाल कर लेते है। ऐसे में आपकी कोमल त्वचा पर दाग-धब्बे, रैशिस और कई तरह की समस्याएं हो जाती है। आज हम आपको बताएंगे कि आपको अपने चेहरे पर किन चीजों का इस्तेमाल भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

1. हेयर कलर या स्प्रे

कई महिलाएं अपने बालों पर हेयर कलर या स्प्रे करती है लेकिन भूल से भी इन्हें अपने चेहरे पर न लगने दें। स्किन पर स्प्रे या कलर लगने से चेहरे पर रैशेज और लाल चकते पड़ सकते है।

2. पेट्रोलियम जेली

इसमें हवा और नमी होने के कारण यह स्किन के लिए अच्छी होती है लेकिन इसे भूल से भी चेहरे पर न लगाएं। चेहरे की स्किन सॉफ्ट होने के कारण इससे खराब हो सकती है।

3. सिरका

कुछ लोग सिरके को नैचुरल टोनर मान कर इसे चेहरे पर लगा लेते है। इसमें पानी की मात्रा कम होने के कारण यह स्किन में जलन पैदा कर सकती है।

4. बॉडी लोशन

हर लड़की घर से निकलने से पहले बॉडी लोशन जरूर लगाती है। बॉडीलोशन में मौजूद फ्रैगरेंस चेहरे की कोमल त्वचा को खराब कर सकता है। इसलिए इसका इस्तेमाल सिर्फ बॉडी तक ही करें।

5. चीनी

कुछ लोग चीनी और जैतून तेल के मिक्षण को बॉडी मसाज के लिए इस्तेमाल करते है लेकिन चेहरे पर यह पैक हानिकारक साबित हो सकता है। इसलिए भूल से भी इसका इस्तेमाल चेहरे पर न करें।

विराट कोहली ने बताई जीत की बड़ी वजह

रांची। आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 मैच में मिली जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि टीम की यह जीत खिलाड़ियों के एकजुट प्रयास से मिली है। रांची में रविवार को खेले गए तीन टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मैच में भारत ने आस्ट्रेलिया को नौ विकेट से मात दी। बारिश से बाधित इस मैच का फैसला डकवर्थ लेविस नियम के आधार पर हुआ। कोहली ने कहा, टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनेने का फैसला सही था।

इसकी हमें जरूरत थी। मुझे डकवर्थ-लेविस विधि समझ नहीं आई। 118 पर आस्ट्रेलिया को समेटने के बाद हमें लगा था कि इस विधि के तहत हमें 40 रनों का लक्ष्य मिलेगा, लेकिन 48 रनों का स्कोर काफी मुश्किल था। कप्तान कोहली ने कहा, इस मैच में खिलाड़ियों की ओर से किया गया एकजुट प्रयास शानदार था। हालांकि, इसका श्रेय टीम के प्रबंधन को जाता है, क्योंकि उन्होंने हमें टीम के चयन के लिए कई सुझाव दिए। इस प्रारूप के लिए उन्होंने विशेषज्ञों को चुना। भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह ने भी सीमित प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे मैचों के लिए आपके पास दिमाग में अच्छी रणनीति भी होनी चाहिए। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टी-20 मैच गुवाहाटी में 10 अक्टूबर को खेला जाएगा। पहले टी-20 मैच में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने18.4 ओवर में 08 विकेट के नुकसान पर 118 रन बनाए ही थे कि बारिश ने मैच में बाधा डाल दी। बरसात रुकी तो भारतीय टीम को 6 ओवर में 48 रन का लक्ष्य दिया गया। टीम इंडिया ने 5.3 ओवर में 01 विकेट खोकर 48 रन की चुनौती को पार कर दिया और इसी के साथ तीन टी-20 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त भी बना ली। इस मुकाबले में कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने दो-दो विकेट लिए तो भुवनेश्वर, पांड्या और चहल ने एक-एक शिकार किया। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा 11 रन बनाकर आउट हुए तो विराट कोहली और शिखर धवन की जोड़ी ने टीम इंडिया को जीत दिला दी। कोहली 22 और धवन 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

गेंदबाजों और बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मैचों में लगातार सातवीं जीत भी दर्ज.की इसी वजह से कप्तान कोहली ने कहा कि ये यह जीत खिलाड़ियों के एकजुट प्रयास से मिली है।

दिमित्रोव को हराकर नडाल चौथी बार चाइना ओपन के फाइनल में

शंघाई। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के रफाएल नडाल ने चौथी बार चाइना ओपन टेनिस टूनार्मेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में नडाल ने बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 6-3, 4-6, 6-1 से पराजित किया। इसी के साथ वे इस साल के अपने नौवें खिताबी मुकाबले में पहुंचे।

शुरूआत से ही नडाल आक्रामक मूड में थे। उन्होंने अपनी सर्विस कायम रखते हुए और विपक्षी की सर्विस तोड़कर लगातार 13 अंक हासिल किए। नडाल ने पहला सेट मात्र 35 मिनट में अपने नाम किया। नडाल दूसरे सेट में भी 3-1 से आगे थे, लेकिन यहां से दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने वापसी का प्रयास किया और स्कोर को 4-4 की बराबरी पर ले आए। आखिरकार दूसरा सेट जीतकर दिमित्रोव ने मैच को बराबर पर ला दिया। निर्णायक सेट में 16 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नडाल ने पूरा अनुभव झोंकते हुए जीत हासिल की। यदि नडाल यहां फाइनल जीतते हैं तो यह उनके करियर का 75वां एकल खिताब होगा। रविवार को होने वाले फाइनल में नडाल का सामना ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

कोलंबिया के खिलाफ जीत के लिए उतरेंगे बलू कब्स: माटोस

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-17 फुटबॉल टीम के कोच लुई नोर्टन डि माटोस ने आज कहा कि फीफा अंडर-17 विश्व कप में उनकी टीम तकनीकी और शारीरिक तौर पर खुद से मजबूत कोलंबिया से भिडने के लिए तैयार है और टीम अंतिम क्षण तक मुकाबला करेगी। ग्रुप ए के इस मैच को खेलने वाली दोनों टीमों को टूनार्मेंट के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। पहली बार फीफा के किसी विश्व कप में खेलने उतरी भारतीय टीम को अमेरिका ने 0-3 से हराया था, जिससे टीम के कोच खुश नहीं दिखें। माटोस ने कहा, कोलंबिया की टीम मजबूत है और उनके पास हमें आहत करने की काबिलियत है। पूरे मैच के दौरान हमें काफी चौक्कना रहना होगा। वे (कोलंबिया) शारीरिक रूप से भी हमें चुनौती देंगे लेकिन हम इसके लिये तैयार है। उन्होंने कहा, टीम के खिलाड़ी कोलंबिया को कड़ी टक्कर देने के लिये तैयार है। टीम आखिरी मिनट तक लड़ेगी और आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी। कोलंबिया को ग्रुप के पहले मैच में घाना ने 0-1 से हराया था। लेकिन गोल अंतर के कारण भारतीय टीम ग्रुप में अंतिम स्थान पर है। माटोस ने कहा, हम जीत के लिये खेलेंगे। इसके अलावा हमारे पास कोई चारा नहीं है। हम हर मैच जीत के लिये खेलते हैं और अगर कोलंबिया से जीतें तो हम इतिहास बना लेंगे।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य अगले दौर में पहुंचना है लेकिन एक बार में हम एक ही मैच पर ध्यान दे रहे हैं। भारतीय टीम की मजबूती एक इकाई की तरह फुटबाल खेलना है और हम जीत के लिये इसी पक्ष पर विश्वास कर रहे। इस मौके पर टीम के कप्तान अमरजीत सिंह ने कहा कि टीम कल जीत के लिये सब कुछ करेगी। उन्होंने कहा, हम कोलंबिया का सम्मान करते है। वे अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है लेकिन हमारे लिए यह प्रतिष्ठा की बात है ग्रुप चरण से आगे जाने के लिये इस मैच में हम सब कुछ दांव पर लगा देंगे।

आईसीसी के नए नियमों को लेकर रांची टी-20 में 'कन्फ्यूज' रहे एरॉन फिंच

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई के सलामी बल्लेबाज एरॉन फिंच को टी-20 में डीआरएस लागू होने जैसे नियमों के बारे में मैच से पहले पता तक नहीं था। फिंच ने रांची टी-20 के बाद कहा कि सीरीज के बीच में आईसीसी के नए नियम लागू होने से कंफ्यूजन की स्थिति पैदा हुई।

यहां तक कि टीम इंडिया के ओपनर शिखर धवन भी टी-20 के इन नए नियमों से पूरी तरह वाकिफ नहीं थे। 30 साल के फिंच ने कहा, 'मैच के 5वें ओवर तक मुझे इस बारे में पता ही नहीं था। बाद में जब स्टीव स्मिथ मैदान में ड्रिंक लेकर आए, तो उन्होंने साथी खिलाड़ियों को इसके बारे में बताया। इसलिए हमें अंपायरों से पूछना पड़ा। लेकिन सीरीज के आखिरी दौर में नियमों में ये बदलाव अजीब हैं। मेरा मतलब है कि बैट साइज और ऐसी चीजें सीरीज के अंत में आ रही हैं। आईसीसी के नए नियम के मुताबिक अगर कोई मैच 10 ओवर से कम कर दिया जाता है, तो गेंदबाजी का अधिकतम कोटा 2 ओवर से कम नहीं होगा। इसका मतलब यह हुआ कि यदि मैच 5 ओवर का कर दिया गया है तो कम से कम दो गेंदबाज दो-दो ओवर फेंक पाएंगे। फिंच ओवरों के नियम को लेकर भी नाराज दिखे। भारत को जीत के लिए 6 ओवर में 48 रनों का लक्ष्य मिला, ऐसे में 3 गेंदबाजों को दो ओवर फेंकने की इजाजत होनी चाहिए थी। लेकिन पुराने नियमों को ही चलने दिया गया। सिर्फ नाथन कुल्टर नाइल ही 2 ओवर फेंक पाए, जबकि एडम जाम्पा, एंड्र्यू टाई, जेसन बेहरेनड्रॉफ और डैनियल क्रिश्चियन एक-एक ओवर फेंके।

टीम इंडिया की प्रेस कॉन्फ्रेंस में धवन ने स्वीकार किया, वाकई उन्हें (ऑस्ट्रेलिया) अजीब लगा होगा। लेकिन जो भी नियम है, वह नियम है। मुझे नियम के बारे में ठीक से पता नहीं है, जिसके बारे में आप बात कर रहे हैं। लेकिन, ये है तो है।

गांगुली के बलिदान की वजह से महान क्रिकेटर बने धोनी: सहवाग

नई दिल्ली। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज अपने बयानों की वजह से क्रिकेट से संन्यास के बाद भी सुर्खियों में बने रहते हैं। अब उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्रसिंह धोनी के बारे में एक बयान देकर सनसनी मचा दी है। सहवाग ने एक टीवी चैनल से कहा कि धोनी की सफलता में सबसे बड़ा हाथ पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का है। गांगुली की कप्तानी में ही धोनी दुनिया के सामने एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर उभरे। धौनी को एक बड़ा खिलाड़ी बनाने के पीछे दादा का ही हाथ रहा। सहवाग ने कहा, जब गांगुली कप्तान थे उस समय हम बल्लेबाजी क्रम को लेकर प्रयोग कर रहे थे। हमने तय किया था कि अगर हमें ओपनिंग के लिए अच्छी साझेदारी मिलती है तो सौरव गांगुली खुद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरेंगे। यदि खराब पार्टनरशिप होती थी तो इरफान और धोनी जैसे बल्लेबाजों को पिंच हिटर के रूप में तेजी से कुछ रन जुटाने के लिए उतारा जाता था। बहुत कम ऐसे कप्तान होंगे जिन्होंने पहले अपना बल्लेबाजी क्रम वीरेंद्र सहवाग के लिए छोड़ा और फिर अपना तीसरे नंबर का स्थान भी धोनी को दे दिया। यदि दादा ने उस वक्त ऐसा नहीं किया होता तो धोनी इतने महान क्रिकेटर नहीं बन पाते। गांगुली हमेशा नए खिलाड़ यों को मौका देने में विश्वास रखते थे। सहवाग ने कहा कि गांगुली के बाद राहुल द्रविड़ ने कप्तानी संभाली।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जब न्यूड एमएमएस के कारण डिप्रेशन में चली गई थी मोना सिंह

टीवी सीरियल जस्सी जैसी कोई नहीं से कैरियर की शुरूआत करने वाली मशहूर एक्ट्रैस मोना सिंह आज 37 साल की हो गई हैं। वह उस वक्त विवादों में आ गई थीं जब उनका एक अश्लील एमएमएस लीक हुआ था। दरअसल, साल 2013 में उस वक्त सनसनी मच गई जब इंटरनेट पर एक एमएमएस लीक हुआ जिसमें एक महिला आपत्तिजनक अवस्था में दिखाई दे रही थी। कहा गया कि क्लिप में नजर आने वाली महिला एक्ट्रेस मोना सिंह ही हैं। हालांकि मोना सिंह का कहना है कि उस क्लिप के साथ छेड़छाड़ की गई थी। इस सिलसिले में उन्होंने मुंबई पुलिस में केस भी दर्ज कराया था। बता दें कि करीब 15 रियलिटी शो का हिस्सा रहीं मोना सिंह अपने पहले ही टीवी सीरियल 'जस्सी जैसी कोई नहीं' से रातों रात सेलिब्रिटी बन गई थीं। आज फिल्म इंडस्ट्री में भी इनका नाम है। मोना सिंह फिल्म 'थ्री इडियट्स', 'उटपटांग' और 'जेड प्लस' में भी नजर आ चुकी हैं। मोना सिंह का जन्म पुणे में 8 अक्टूबर 1981 को हुआ। जल्द ही वह रोनित रॉय के साथ एकता कपूर के एक सीरियल में दिखेंगी।

जब तुर्की में आइसक्रीम खाने के लिए परेशान हुए आमिर

बॉलीवुड में मिस्टर परफेक्शनिस्ट के नाम से जाने जाने वाले आमिर खान इन दिनों तुर्की गए हुए हैं। वहां वो काफी मस्ती के मूड में दिख रहे हैं। दरअसल आमिर ने ट्वीटर पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें एक आइसक्रीम वाले के साथ वो मौज मस्ती करते नजर आ रहे हैं। आमिर वहां आइसक्रीम खाना चाहते थे लेकिन आइसक्रीम वाले ने आमिर के लिए इसे एक फन टास्क में बदल दिया । आमिर जैसे ही आइसक्रीम खाने के लिए आगे बढ़ते वो आइसक्रीम हटा लेता। काफी मेहनत के बाद भी आमिर अपने आप आइसक्रीम नहीं ले सके और आखिर में आइसक्रीम वाले ने खुद ही आमिर को आइसक्रीम खिलाई।

दरअसल आमिर तुर्की में अपनी फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार का प्रमोशन करने के लिए गए हुए हैं। उन्होंनें ट्वीट करके प्रशंसको को इसकी जानकारी भी दी थी। सीक्रेट सुपस्टार में आमिर के साथ जायरा वसीम भी नजर आएगीं। फिल्म की कहानी एक ऐसी लड़की की है जो सिंगर बनना चाहती है लेकिन अपने पिता के दबाव के चलते वो ऐसा नहीं कर पाती, ऐसे में एक म्यूजिक डॉयरेक्टर उसकी मदद करता है। खबरों के अनुसार आमिर की ये फिल्म भारत और तुर्की मे एक साथ रिलीज होगी।

फिल्म 'केदारनाथ' से सारा का फर्स्ट लुक आया सामने

एक्टर सैफ की बेटी सारा अली खान इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'केदारनाथ' की शूटिंग में बिजी है। फिल्म की शूटिंग लगभग एक महीने से केदारनाथ में चल रही थी। पहले शेड्यूल का शूट खत्म हो चुका है और स्टार-कास्ट मुंबई लौट आई है। फिल्म से सारा अली खान का फर्स्ट लुक भी रिलीज हो गया है। तस्वीर में वो हाथ में छाता लिए हुए हैं। डायरैक्टर अभिषेक कपूर ने इंस्टाग्राम पर सुशांत और सारा के साथ फोटो शेयर कर पहले शेड्यूल के खत्म होने की जानकारी दी थी। इसमें तीनों के चेहरों की खुशी देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि शूटिंग शानदार तरीके से निपटी है। अभिषेक कपूर ने कहा- यह शेड्यूल शानदार रहा। पहाड़ों पर शूट करना आसान नहीं होता क्योंकि मौसम हमेशा बदलता रहता है, लेकिन पहाड़ों के देवता ने हम पर कृपा की और हमारा शेड्यूल बहुत अच्छे से निपट गया।

मम्मी की गोद में गॉगल्स के साथ खेलते नजर आए नन्हें तैमूर

बॉलीवुड एक्ट्रैस करीना कपूर खान और उनके बेटे तैमूर अली खान हमेशा किसी न किसी कारण मीडिया की सुर्खियों में आ ही जाते है। हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर मम्मी करीना के साथ तैमूर स्पॉट हुई। छोटे नवाब तैमूर इन दौरान मम्मी करीना की गोद में दिखाई दिए। इस दौरान करीना ने ग्रे ट्राउजर के साथ ब्लैक टी शर्ट पहनी थी। इसमें वो हमेशा की तरह काफी हॉट लग रही थी। तो वहीँ लाइट ब्लू कलर के शर्ट और वाइट पेंट में तैमूर भी बहुत अच्छे लग रहे थे। पिछले कुछ दिनों से करीना कपूर अपनी आने वाली फिल्म वीर दी वेडिंग की शूटिंग में बिजी हैं और वो अक्सर दिल्ली जाते हुए स्पॉट हुई हैं।

बता दें कि फिल्म वीर दी वेडिंग के लिए करीना ने अपना काफी वजन भी कम कर लिया है। वजन कम करने के लिए बेबो ने जिम में काफी पसीना बहाया हैं। वजन कम करने के बाद करीना अपने पिछले लुक में नजर आ रही हैं। खैर, फिल्म वीरे दी वेडिंग के जरिए करीना बॉलीवुड में कमबैक कर रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ सोनम कपूर, स्वरा भास्कर भी नजर आने वाली हैं। और तो और करीना इस फिल्म में सुमित व्यास के साथ रोमांस भी करती दिखने वाली हैं। इस फिल्म को सोनम की बहन रिया कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। पिछले दिनों खबर थी की तैमूर भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे, लेकिन करीना ने इन अफवाहों पर पूर्णविराम लगाते हुए सभी खबरों का खंडन किया।